राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 300 | शनिवार 22 फरवरी 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेजः 8 मूल्य : 2 रुपया

एलओसी पर तनाव, भारत और पाकिस्तान के बीच चार साल बाद फ्लैग मीटिंग

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में एलओसी (नियंत्रण रेखा) पर तनाव के बीच भारत और पाकिस्तान सेनाओं के बीच शुक्रवार को फ्लैग मीटिंग हुई। यह मीटिंग पुंछ सेक्टर के चाका दा बाग में आयोजित हुई। जिसमें दोनों सेनाओं के ब्रिगेडियर रैंक के अधिकारी शामिल हुए। बैठक 75 मिनट तक चली। बीते चार सालों में दोनों देशों के बीच ये पहली मीटिंग है। आखिरी फ्लैग मीटिंग 2021 में हुई थी। सूत्रों ने कहा कि बैठक में दोनों पक्षों के बीच बॉर्डर पर शांति बनाए रखने और सीजफायर पर सहमति बनी। पिछले कई हफ्तों से एलओसी पर तनाव बना हुआ है। सेना ने 4 फरवरी को 7 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया था।

नीतीश को बड़ा झटका, जदयू के वरिष्ठ नेता अली अनवर कांग्रेस में शामिल

पटना,(ईएमएस)। बिहार की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। पूर्व राज्यसभा सांसद और जदयू के वरिष्ठ नेता अली अनवर अंसारी शुक्रवार को औपचारिक रूप से कांग्रेस में शामिल हो गए। अली अनवर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी सहयोगी थे, लेकिन अब उन्होंने कांग्रेस का हाथ थाम लिया। कांग्रेस में शामिल होने के बाद अली अनवर ने कहा कि उन्हें राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान ने आकर्षित किया है। उन्होंने कहा, कि मोदी के नफरत के बाजार में राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान से प्रभावित होकर मैंने कांग्रेस जॉइन की है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने अली अनवर और उनके दर्जनों समर्थकों को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलाई। हालांकि, दिल्ली में इस फैसले की घोषणा पहले ही हो चुकी थी।

नीतीश कुमार को झटका- अली अनवर अंसारी समाजवादी विचारधारा के नेता रहे हैं और जदयू में अल्पसंख्यक समुदाय के प्रमुख चेहरों में से एक माने जाते थे। उनका कांग्रेस में जाना नीतीश कुमार और जदयू के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। अब देखना होगा कि अली अनवर के कांग्रेस में आने से बिहार की राजनीति पर क्या असर पड़ता है और लोकसभा चुनाव से पहले यह बदलाव किसके लिए फायदेमंद साबित होगा।

एडवोकेट एक्ट के खिलाफ देशभर के वकील लामबंद

नई दिल्ली । बार काउंसिल आफ इंडिया ने कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल को 66 पन्नों का पत्र लिखा है। बार काउंसिल ने प्रस्तावित एडवोकेट अमेंडमेंट बिल 2025 के मसौदे पर गंभीर आपत्ति जताई है। इसे कानूनी पेशे की स्वतंत्रता के लिए बड़ा खतरा बताया है। प्रस्तावित बिल को लेकर देश भर के वकीलों में बड़ी नाराजी देखने को मिल रही है। केंद्र सरकार जो बिल लेकर आ रही है। उसमें केंद्र सरकार को बार काउंसिल आफ इंडिया में तीन सदस्यों की नियुक्ति का अधिकार दिए जाने का प्रावधान है। बार काउंसिल ने इसका कड़ा विरोध किया है। भारत सरकार विदेशी वकीलों और ला फर्म के नियमन को लेकर जो कानून बनाने जा रही है। उसको बार काउंसिल ने अनावश्यक बताया है। बार काउंसिल का कहना है, 2022 में ही बार कौंसिल ऑफ़ इंडिया ने विदेशी कानूनी पेशेवरों के लिए व्यापक दिशा निर्देश तैयार कर लिए हैं। इसलिए बिल की कोई जरूरत नहीं है। बिल में वकीलों की हड़ताल पर प्रतिबंध प्रस्तावित है। बार काउंसिल आफ इंडिया ने केंद्र सरकार के बिल को पूरी तरह से अस्वीकार किया है। बार काउंसिल का कहना है, सरकार को नामांकन शुल्क तय करने का कोई अधिकार नहीं है। सरकार बार काउंसिल को निर्देश और आदेश नहीं दे सकती है। इस बिल का विरोध देश के सभी बार काउंसिल के पंजीकृत वकील कर रहे हैं। इस बिल का देशभर में विरोध शुरू हो गया है।

2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नए चेहरों को देगी मौका: अमरिंदर

अमृतसर । कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा कि राज्य में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी नये चेहरों पर दांव लगाएगी। वडिंग ने पंजाब युवा कांग्रेस की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में कहा कि पंजाब कांग्रेस 2027 के विधानसभा चुनाव में विधायक के रूप में राज्य का प्रतिनिधित्व करने

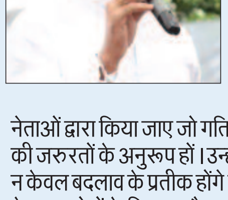

के लिए कम से कम 60-70 नए चेहरों को मौका देगी। यह हमारे राजनीतिक नेतृत्व को पुनर्जीवित करने और यह तय करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम होगा कि पंजाब के लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व ऐसे नेताओं द्वारा किया जाए जो गतिशील, प्रतिबद्ध और राज्य की जरुरतों के अनुरूप हों। उन्होंने कहा कि यह नए चेहरे न केवल बदलाव के प्रतीक होंगे बल्कि युवाओं और पंजाब के आम लोगों के विश्वास और उम्मीदों पर भी खरे उतरेंगे। वडिंग ने युवा कांग्रेस के सदस्यों से इस अवसर का अटूट प्रतिबद्धता के साथ लाभ उठाने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि उनके प्रयास भविष्य में ज्यादा मजबूत, अधिक समावेशी और एकजुट पंजाब की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कांग्रेस की ओर से जारी बयान में वडिंग के हवाले से कहा गया कि यह आपके लिए खुद को साबित करने और पंजाब के लोगों को यह दिखाने का मौका है कि हम वास्तविक और सार्थक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

किसी भी देश के निर्माण के लिए वहां के नागरिकों का विकास जरूरी : पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के भारत मंडपम में सोल (स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप) कॉन्क्लेव के पहले संस्करण का उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि किसी भी देश के निर्माण के लिए वहां के नागरिकों का विकास जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी भारत को गुलामी से बाहर निकालकर बदलाव लाना चाहते थे। उनका विश्वास था कि अगर 100 लीडर उनके पास हों, तब वह भारत को आजादी ही नहीं, बल्कि दुनिया का नंबर वन देश बना सकते हैं। विवेकानंद के इसी मंत्र को लेकर हम सभी को आगे बढ़ना है। सोल में भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे भी शामिल हुए हैं। उनके आने पर पीएम मोदी ने कहा कि भूटान के राजा का शुक्रवार को जन्मदिन होना और हमारे यहां ये अवसर होना। ये अपने आप में सुखद संयोग हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आज हर भारतीय 21वीं सदी के विकसित भारत के लिए लगातार काम कर रहा है। इसतरह 140 करोड़ देश में हर सेक्टर में, हर कार्यक्षेत्र में, जीवन के हर आधार में हमें उत्तम से उत्तम नेतृत्व की आवश्यकता है। कुछ आयोजन इसतरह के होते हैं, तो हृदय के बहुत करीब होते हैं और आज का ये सोल प्रोग्राम भी ऐसा ही है। किसी भी देश को प्रगति करने के लिए न केवल प्राकृतिक संसाधनों की जरुरत होती है, बल्कि मानव संसाधनों की भी आवश्यकता होती है। इस मौके पर लोगों को संबोधित कर पीएम मोदी ने कहा कि भारत एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है, और यह गति हर क्षेत्र में तेज हो रही है। इस वृद्धि को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए हमें विश्व स्तरीय नेताओं की आवश्यकता है। सोल संस्थाएं परिवर्तन में एक गेम-चेंजर हो सकती हैं। इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय संस्थान सिर्फ एक विकल्प नहीं हैं, बल्कि एक जरूरत हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आने वाले समय में जब हम डिप्लोमेसी से टेक इनोवेशन तक एक नई लीडरशिप को आगे बढ़ाएंगे , तब सभी क्षेत्रों में भारत का प्रभाव कई गुना बढ़ जाएगा। यानी एक तरह से भारत का पूरा विजन और भविष्य एक मजबूत नेतृत्व पीढ़ी पर निर्भर है, इसलिए हमें ग्लोबल थिंकिंग और लोकल अप-ब्रिंगिंग के साथ आगे बढ़ना है। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया से प्रतिस्पर्धा के लिए हमें स्मार्ट लीडर्स चाहिए हमें इसतरह के व्यक्तियों को तैयार करने की आवश्यकता है जो भारतीय मानसिकता के साथ अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य को समझते हों। इन नेताओं को रणनीतिक निर्णय लेने, संकट प्रबंधन और भविष्य की सोच में पारंगत होना चाहिए। वैश्विक बाजार और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए हमें इसतरह के नेताओं की आवश्यकता है जो वैश्विक व्यापार की गतिशीलता को समझते हों। सोल से काम करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी पॉलिसी मेकिंग को वर्ल्ड क्लास बनाना होगा। यह तभी होगा, जब हमारे पॉलिसी मेकर्स, ब्यूरोक्रेट्स और ऑन्त्रप्रेन्योर अपने पॉलिसी को ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस के साथ जोड़कर फ्रेम कर पाएंगे। इसमें सोल जैसे संस्थान की बड़ी भूमिका होगी। अगर हमें विकसित भारत बनना है, तब हर क्षेत्र में तेज गति से आगे बढ़ना होगा।

सोल क्या है

स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप (सोल) गुजरात का इंस्टीट्यूशन है। इसका काम भारतीय राजनीति में इसतरह के लोगों को आगे बढ़ाना है, जो राजनैतिक परिवार से नहीं आते हैं। बल्कि वे अपनी लीडरशिप क्वालिटी, योग्यता और सामाजिक सेवा के माध्यम से कुछ नया करना चाहते हैं।

1999 रुपए में बिक रहीं महाकुंभ में महिलाओं के कपड़े बदलने व नहाने की तस्वीरें

-पुलिस ने 11 सोशल मीडिया चैनलों के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

प्रयागराज। महाकुंभ क्षेत्र में महिलाओं के कपड़े बदलने और नहाने की तस्वीर सोशल मीडिया पर बेची जा रही है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए महाकुंभ क्षेत्र के थाना कोतवाली कुंभ में पुलिस ने 11 सोशल मीडिया चैनलों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक एफआईआर में बताया गया है कि कुंभ क्षेत्र में महिलाओं के स्नान के बाद कपड़े बदलने की तस्वीर सोशल साइट टेलीग्राम पर 1999 रुपए में बेची जा रही हैं। पुलिस को सोशल साइट से ही इस बारे में जानकारी मिली और उसके बाद पुलिस ने संज्ञान लेते हुए एफआईआर दर्ज की है। इस मामले में जांच जारी है। बताया जा रहा है कि ये वीडियो तब रिकॉर्ड किए गए जब महिलाएं त्रिवेणी संगम में स्नान कर रही थीं या कपड़े बदल रही थीं। चौंकाने वाली बात यह है कि ये वीडियो टेलीग्राम पर बेचे जा रहे हैं और मेटा के प्लेटफॉर्म पर भी मौजूद हैं। एफआईआर में पुलिस ने लिखा है कि अवगत कराना है कि सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के दौरान पता चला है कि महाकुंभ में महिलाओं की निजता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। नहाने और कपड़े बदलने के दौरान महिलाओं और लड़कियों की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया टेलीग्राम पर शेयर किए गए हैं। कुछ तस्वीरों को अन्य आपत्तिजनक कंटेंट बेचने के लिए टीजर के तौर पर इस्तेमाल किया गया है। जहां उनकी आध्यात्मिक यात्रा को गोपनीयता के उल्लंघन का सामना करना पड़ा। इस पोस्ट में एक टेलीग्राम चैनल का एक स्क्रीनशॉट भी लगाया गया है, जिसमें महिलाओं के स्नान का वीडियो 1999 में मेंबरशिप लेने पर प्रदान किया जाना अंकित है।

जब मोदी ने दिया शरद पवार को पानी, पवार ने की मोदी की प्रशंसा

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन में लंबे भाषण के बाद शरद पवार थक गए थे, ऐसे में मंच पर मौजूद पीएम मोदी ने वाटर बॉटल से शरद पवार के ग्लास में पानी भर दिया। सोशल मीडिया पर पीएम मोदी का ये अंदाज लोगों को काफी पसंद आ रहा है। इससे पहले 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मलेन में शरद पवार ने न सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की बल्कि यह भी बताया कि जब उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए पीएम को आमंत्रित किया, तो मोदी ने बिना किसी देरी के तुरंत स्वीकृति दे दी। पवार ने मराठी भाषा को अभिजात भाषा का दर्जा दिलाने में पीएम मोदी की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, 'दिल्ली और महाराष्ट्र के बीच गहरा रिश्ता है, और यह केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक भी है। उनकी यह बात भविष्य के राजनीतिक समीकरणों की ओर इशारा कर रही है। 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कई महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने कहा मराठी भाषा अमृत से भी बढ़कर मीठी है। इस दौरान पीएम के साथ मंच पर शरद पवार भी मौजूद थे। 1 अगस्त 2023 के बाद पुणे में दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात है। पीएम मोदी को लोकमान्य तिलक पुरस्कार मिला था। यूबीटी के मुखपत्र सामना ने इस मुद्दे पर तीखी राय लिखी थी और पवार से प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा नहीं करने को कहा था।

चीन के साथ संबंधों में महत्वपूर्ण प्रगतिः जयशंकर

जोहान्सबर्ग/नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात करके सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति का प्रबंधन, कैलाश मानसरोवर यात्रा, उड़ान कनेक्टिविटी और यात्रा सुविधाओं के बारे में चर्चा की।

विदेश मंत्रालय के अनुसार डॉ. जयशंकर ने जी-20 विदेश मंत्री बैठक से इतर हुई इस बैठक में अपने आरंभिक वक्तव्य में कहा, 'मुझे खुशी है कि हम आज जोहान्सबर्ग में जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर मिल सकते हैं। इस तरह की सभाओं ने हमारी बातचीत के लिए एक अवसर प्रदान किया है, तब भी जब हमारे संबंध एक कठिन चरण से गुजर रहे थे। हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि ध्रुवीकृत वैश्विक स्थिति में, हमारे दोनों देशों ने एक संस्था के रूप में जी 20 को संरक्षित और संरक्षित करने के लिए कड़ी मेहनत की है। यह अपने आप में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व को प्रमाणित करता है।'

डॉ. जयशंकर ने कहा,'नवंबर 2024 में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान रियो में हमारी पिछली बैठक के बाद से, कुछ उल्लेखनीय प्रगति हुई है। हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और विदेश सचिव ने चीन का दौरा किया है और हमारे संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई है। इनमें सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और शांति का प्रबंधन और हमारे संबंधों के अन्य आयाम शामिल हैं। यह खुशी की बात है कि आज हमारे बीच विचारों का और आदान-प्रदान हुआ।÷उन्होंने कहा कि भारत और चीन जी-20, एससीओ और ब्रिक्स के सदस्य हैं। पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दे भी हैं, जहां दृष्टिकोण का आदान-प्रदान हमारे पारस्परिक लाभ के लिए होगा। बाद में नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नियमित ब्रीफिंग में इस बारे में सवालों के जवाब में कहा,÷दोनों मंत्रियों (भारत और चीन के विदेश मंत्रियों) ने नवंबर में पिछली बैठक के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में विकास की समीक्षा की। विशेष रूप से, सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और शांति के प्रबंधन, कैलाश मानसरोवर यात्रा, उड़ान कनेक्टिविटी और यात्रा सुविधाओं पर चर्चा की गई।

अदाणी विवाद प्रधानमंत्री मोदी का व्यक्तिगत नहीं बल्कि देश का मामला है : राहुल गांधी

रायबरेली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अदाणी समूह से जुड़े विवाद पर अमेरिकी मीडिया में की गई टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह कोई 'व्यक्तिगत मामला' नहीं बल्कि देश से जुड़ा मामला है। रायबरेली से सांसद राहुल गांधी ने अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे के दूसरे दिन लालगंज में एक कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया अमेरिकी यात्रा के दौरान मीडिया के साथ उनकी बातचीत का उल्लेख करते हुए यह आरोप लगाए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जब मोदी से अदाणी समूह के बारे में चल रहे विवाद के बारे में पूछा गया तो प्रधानमंत्री ने कहा था, ''यह 'एक व्यक्तिगत मुद्दा' था और जब दो देशों के नेता मिलते हैं तो ऐसे मुद्दों पर चर्चा नहीं की जाती है।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, 'मोदी जी यह कोई व्यक्तिगत मामला नहीं है, यह देश का मामला है।' राहुल ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी मीडिया से कहा कि उद्योगपति गौतम अदाणी उनके दोस्त हैं, वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से उनके बारे में कुछ नहीं पूछेंगे।

'मृत्युकुंभ' वाली टिप्पणी पर बढ़ा विवाद, ममता बनर्जी ने दी सफाई...

सभी धर्मों का करती हूं सम्मान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा महाकुंभ को 'मृत्युकुंभ' कहने पर विवाद गहरा गया है। इस टिप्पणी को लेकर बीजेपी ने ममता पर तीखा हमला बोला, जिसके बाद उन्होंने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि वह सभी धर्मों और संस्कृतियों का सम्मान करती हैं।

इससे पहले सीएम ममता बनर्जी ने मंगलवार को बंगाल विधानसभा में प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले के प्रबंधन को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि यह आयोजन 'मृत्युकुंभ' बन गया है, जहां अव्यवस्था और भगदड़ के कारण लोगों की जान जा रही है। इसके साथ ही सीएम ममता ने आरोप लगाया कि सरकार मृतकों की वास्तविक संख्या छिपा रही है।

भाजपा का पलटवार

बीजेपी नेताओं ने ममता बनर्जी की टिप्पणी को हिंदू विरोधी बताते हुए इसकी निंदा की। बीजेपी का कहना है कि महाकुंभ करोड़ों हिंदुओं की आस्था से जुड़ा आयोजन है, इसे 'मृत्युकुंभ' कहना असंवेदनशील है। पार्टी ने ममता पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाते हुए माफी की मांग की।

ममता की सफाई

विवाद बढ़ने के बाद ममता बनर्जी ने कहा- मैं सभी धर्मों और संस्कृतियों का सम्मान करती हूं। धर्म किसी एक व्यक्ति का हो सकता है, लेकिन धार्मिक उत्सव सभी के लिए होते हैं। मेरी आपत्ति कुंभ मेले से नहीं, बल्कि वहां की अव्यवस्था और प्रशासन की लापरवाही से है। इस विवाद ने बंगाल की राजनीति को गरमा दिया है। बीजेपी इस बयान को मुद्दा बनाकर ममता सरकार को घेर रही है। टीएमसी ने इसे बीजेपी की साजिश बताते हुए पलटवार किया है। वहीं कुंभ मेले की अव्यवस्था पर यूपी सरकार पर भी सवाल उठने लगे हैं। अब देखना यह होगा कि यह विवाद ममता बनर्जी और भाजपा के बीच राजनीतिक टकराव को कितना आगे ले जाता है।

आरएसएस-भाजपा को विदेशी एजेंसियों से मिलती है गुप्त सहायता : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को दावा किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश में लोकतंत्र को अस्थिर करने और संवैधानिक संस्थाओं को ध्वस्त करने के लिये विदेशी एजेंसियों से गुप्त सहायता ले रहे हैं और इसके सबूत उसके पास हैं।

पार्टी ने कहा है कि मोदी सरकार अमेरिका की सरकारी एजेंसी यूएसएड द्वारा भारत के चुनावों को प्रभावित करने के लिये धन देने के मामले को लेकर इस समय जो प्रचार कर रही है, वह वास्तव में असली मुद्दों को भटकाने की उसकी कोशिश है, क्योंकि खुद सत्ता पक्ष से जुड़े लोग प्रदेश की एजेंसियों से सहायता लेते रहे हैं।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यहां पार्टी मुख्यालय पर संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'कांग्रेस पहले ही भारत में यूएसएड फंडिंग पर श्वेतपत्र की मांग कर चुकी है, यह स्पष्ट कर दें कि हम वैश्विक भागीदारी विकास एजेंसियों, यूएसएड जैसी सहायता तंत्रों को बेईमान नहीं मानते।'

श्री खेड़ा ने कहा कि भाजपा ही सबसे पहले 'डीप स्टेट' की कहानी शुरू की और यूएसएड को बदनाम करना शुरू किया था। उन्होंने कहा, 'हालांकि हमारे पास पर्याप्त सबूत हैं कि आरएसएस-भाजपा भारतीय लोकतंत्र को अस्थिर करने और हमारे संविधान को ध्वस्त करने के लिये विदेशी एजेंसियों से गुप्त सहायता ले रही है।'

कांग्रेस प्रवक्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पिछली अमेरिका यात्रा का जिक्र करते हुये कहा कि जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने यहां आयातित सामानों पर 'जवाबी शुल्क' लगाने और ब्रिक्स समूह को खत्म करने की बात कर रहे थे तो श्री मोदी मुस्कुरा रहे थे। उन्होंने कहा, 'इस तरह हमारे प्रधानमंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति की धमकी सुनते रहे और चुपचाप स्वदेश वापस आ गये और अब मोदी सरकार कह रही है कि उसे अस्थिर करने के लिये अमेरिका से धन लिया गया है।'

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने वहां उद्यमी एलन मस्क के नेतृत्व में गठित प्रशासनिक दक्षता विभाग (डीओईजी) की सिफारिश पर यूएसएड द्वारा भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के नाम पर दी जाने वाली 2.1 करोड़ डॉलर (करीब 170 करोड़ रुपये) की सहायता रद्द कर दी है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि एक हफ्ते से यह कहानी चलायी जा रही है कि यूएसएड ने मोदी सरकार को अस्थिर करने के लिए यह धन दिया था। उन्होंने इस तरह प्रचार को शर्मनाक बताते हुये सवाल किया कि अमेरिका से धन 2012 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के कार्यकाल में आया था, तो 2014 के चुनाव में भाजपा क्या उसी धन से जीती थी?

उन्होंने कहा, 'हम यूएसएड या फंडिंग एजेंसी के खिलाफ नहीं हैं। देश में फंडिंग के लिए कानून हैं जिनके तहत भाजपा से जुड़े एनजीओ भी फंड लेते हैं लेकिन जानबूझकर सिर्फ कांग्रेस का नाम लेना गलत है।'

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि जब श्रीमती स्मृति ईरानी (भाजपा नेता) यूएसएड की ब्रांड एंबेसडर थीं और सिलेंडर लेकर सड़कों पर प्रदर्शन करती थीं तो क्या वह काम यूएसएड करवा रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी संगठन फोर्ड फाउंडेशन के अनुदान से लाभान्वित संगठनों में आरएसएस भी शामिल था।

उन्होंने कहा, 'यूएसएड ने बंगलादेश को भी करोड़ों डालर थे, पर श्री मोदी को कुछ पता ही नहीं चला। ये आपका कैसा सूचना तंत्र है। ये आपका कैसा इंटेलिजेंस है। बंगलादेश में आई अस्थिरता का असर क्या भारत पर नहीं पड़ेगा।'

श्री खेड़ा ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के मंत्री लगातार यूएसएड के अधिकारियों से मुलाकात करते रहे हैं। वर्ष 2024 में केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल 'जीरो कार्बन उत्सर्जन' के लक्ष्य के लिये यूएसएड से लिये हैं। दस नवंबर 2022 को भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस यूएसएड से सहयोग मिलने की बात की थी, इसी तरह 2016 में नोटबंदी से ठीक पहले श्री मोदी यूएसएड से कैशलेस इकोनॉमी की दिशा में मदद ली थी, 'तो क्या यह नोटबंदी अमेरिका के कहने पर की गयी थी।' कोविड में श्री मोदी ने यूएसएड से 10 करोड़ डॉलर लिया, तो क्या श्री मोदी भी उनके हाथों में खेल रहे थे।

उन्होंने कहा, 'इंदिरा गांधी जब प्रधानमंत्री थीं, तब अमेरिका ने जय प्रकाश नारायण के आंदोलन की खूब तारीफ की थी। सच ये है कि आरएसएस के दो प्रमुख नेता अमेरिका जाकर इंदिरा गांधी के खिलाफ उल्टी-सीधी खबरें छपवाते थे।'

उन्होंने कहा कि अमेरिका, इंदिरा गांधी से बंगलादेश युद्ध के अपमान का बदला लेना चाहता था।

उन्होंने कहा कि आरएसएस ने पंडित जवाहर लाल नेहरू के खिलाफ आंदोलन किया, उस आंदोलन को अमेरिका से धन मिलता था। खुद अमेरिका के एक जासूस ने इसका खुलासा किया है कि वे आरएसएस को धन दे रहे थे। खेड़ा ने कहा कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के एक एजेंट का कहना है कि आरएसएस दशकों से अमेरिका से पैसे लेता रहा ताकि कांग्रेस की सरकारों को अस्थिर किया जा सके।

कांग्रेस प्रवक्ता ने दावा किया कि आरएसएस ने न सिर्फ नेहरू सरकार को गिराने के लिये अमेरिका से पैसे लिये, बल्कि उस समय कांग्रेस के अध्यक्ष रहे कामराज जी की हत्या की साजिश भी रची।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
फ्यूचर लाइन टाइम्स

स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के वातानुकूलित कोच की खिड़की तोड़ने वाला गिरफ्तार

गोरखपुर। मधुबनी रेलवे स्टेशन पर 10 फरवरी, 2025 को अनियंत्रित यात्रियों ने ट्रेन संख्या 12561 जयनगर–नई दिल्ली स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के वातानुकूलित कोच की 73 खिड़कियों को क्षतिग्रस्त कर दिया और रेल यात्रियों में अफरा–तफरी का माहौल पैदा कर दिया। इस बर्बरतापूर्ण कृत्य के जवाब में, रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.), पूर्व मध्य रेलवे ने अपराध संख्या 168/2025 के तहत रेलवे अधिनियम की धारा 145 (बी), 146, 153 और 174 (ए) के तहत मामला दर्ज करके त्वरित कार्रवाई की। आर.पी.एफ. की एक विशेष टीम का गठन अपराधियों की पहचान के लिए किया गया। विशेष टीम द्वारा पूछताछ के दौरान, सूत्रों से तथा तकनीकी साक्ष्यों के माध्यम से जानकारी एकत्रित की गई, जिसके परिणामस्वरूप एक किशोर की पहचान की गई तथा उसे गिरफ्तार किया गया, जो घटना में संलिप्त पाया गया। उसने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है तथा पश्चाताप व्यक्त किया है। इस मामले की जांच सक्रिय रूप से चल रही है, ताकि तोड़फोड़ की अन्य समान घटनाओं में संलिप्त अन्य व्यक्तियों की पहचान की जा सके तथा उन्हें गिरफ्तार किया जा सके। रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले उपद्रवियों के खिलाफ आर.पी.एफ. सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। रेलवे की संपत्ति एक राष्ट्रीय संपत्ति है तथा रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का कोई भी कृत्य अवैध है। यात्रियों की सुरक्षा तथा रेलवे के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आर.पी.एफ. ने राज्य सरकार तथा रेलवे राजकीय पुलिस (जी.आर.पी.) अधिकारियों के साथ समन्वय में आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की है। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ–साथ आर.पी.एफ. ऐसी गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। हम जनता से आग्रह करते हैं कि वे गैरकानूनी गतिविधियों तथा ऐसे कार्यों में शामिल होने से बचें, जिनसे सार्वजनिक सुरक्षा को खतरा हो।

भोले बाबा को क्लीनचिट देने का कोई मतलब नहीं : अनुराधा मिश्रा

लखनऊ। कांग्रेस नेता अनुराधा मिश्रा मोना ने गुरुवार को कथावाचक भोले बाबा को मिली क्लीन चिट और न्यायिक आयोग की रिपोर्ट पर कहा कि सदन के पटल पर यह रिपोर्ट रखी जाएगी, तभी इस पर चर्चा संभव हो पाएगी। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में हाथरस भगदड़ मामले के संदर्भ में कहा कि इस मामले में जिम्मेदारी प्रशासन, आयोजकों और जिस व्यक्ति के नाम पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था, उसकी भी थी। तो ऐसी स्थिति में मैं समझती हूं कि क्लीन चिट देने का कोई औचित्य नहीं बनता है। उन्होंने कहा कि जब कभी भी इस तरह का आयोजन किया जाता है, तो जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। इस भगदड़ में 121 लोगों की मौत हुई थी, जिसमें इस मामले से संबंधित सभी लोगों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। संभल हिंसा में पुलिस द्वारा दाखिल की गई चार्जशीट के संदर्भ में कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर इस मामले में गलत लोगों को फंसाने की कोशिश की जाएगी, तो उसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम ऐसे लोगों के पक्ष में खड़े रहेंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने हमेशा ऐसे लोगों के पक्ष में अपनी आवाज उठाई है और आगे भी उठाते रहेंगे। उन्होंने दावा किया कि 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के बाद से बसपा भाजपा की बी टीम की तरह काम कर रही है। हो सकता है कि बसपा की कोई राजनीतिक मजबूरी रही होगी। उन्होंने बसपा प्रमुख मायावती की ओर इशारा करते हुए कहा कि वह एक बड़ी नेता हैं और उन्हें यह बात समझनी चाहिए। लेकिन, मौजूदा समय में वह किसी भी प्रकार से गंभीर नजर नहीं आ रही हैं। उम्मीद है कि वह आने वाले दिनों में गंभीरता से जरूर काम लेंगी। अनुराधा मिश्रा ने उदित राज के बयान के संदर्भ में कहा कि मैं पहले ही इस बात को स्पष्ट कर चुकी हूं कि किसी भी महिला पर इस तरह का बयान देना उचित नहीं है। जो भी बयान गरिमा के विपरीत है, वह अक्षम्य है।

बरेली में बोर्ड परीक्षा का प्रवेश पत्र लेने जा रहे दो छात्रों की बस से कुचलकर मौत

बरेली (उप्र)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के भोजीपुरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को बोर्ड परीक्षा का प्रवेश पत्र लेने जा रहे दो छात्रों को एक बस ने कुचल दिया जिससे दोनों की मौत हो गयी। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तर) मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि यह हादसा भोजीपुरा थाना क्षेत्र में अग्ररास रोड पर रामियापुर गांव के पास हुआ, जब एक स्कूली बस ने बाइक सवार छात्रों को टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि यह बस एक बारात से लौट रही थी और इसी दौरान यह दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गयी और पुलिस ने बस को जब्त कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि हादसे में मृत छात्रों की पहचान अर्जुन (15) और मनोज (16) रूप में हुई है और दोनों भोजीपुरा थाना क्षेत्र के रामियापुर के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अलीगढ़ में एमए प्रथम वर्ष के छात्र का शव फंदे से लटका मिला

अलीगढ़ (उप्र)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के एक छात्र का शव शुक्रवार की सुबह छात्रावास के उसके कमरे में फंदे से लटका मिला। एएमयू के प्रॉक्टर र मोहम्मद वसीम अली ने बताया कि एमए प्रथम वर्ष (धर्मशास्त्र) के छात्र मोहम्मद शाकिर (25) का शव आज सुबह करीब 9.30 बजे एएमयू के उसके छात्रावास के कमरे के बाहर रस्सी से लटका मिला। उन्होंने बताया कि रस्सी को उसके छात्रावास के कमरे के बाहर लटकती लोहे की छड़ से बांधा गया था। मृत छात्र लखीमपुर खीरी जिले का निवासी था। प्रॉक्टर ने बताया कि शाकिर को बीती रात करीब दस बजे तक उसके कमरे में देखा गया था और उसने हमेशा की तरह शाम का खाना खाया था। उसके साथियों के अनुसार वह शाम को बिल्कुल सामान्य दिखाई दे रहा था। उन्होंने बताया कि उसके दो रिश्तेदारों को, जो उसी छात्रावास में रह रहे थे, उन्हें पूर्व में उसके किसी असामान्य व्यवहार के बारे में पता नहीं है। एएमयू अधिकारियों ने तुरंत पुलिस और उसके परिवार के सदस्यों को सूचित किया जो उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में रहते हैं। अली ने बताया कि मामले में आगे की जांच चल रही है।

जेलों में बंद कैदियों ने प्रयागराज से लाये गये संगम के जल से स्नान किया

लखनऊ/मेरठ/बागपत, । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ और प्रयागराज की नैनी समेत 75 जेलों में बंद कैदियों ने प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में संगम से लाए गए जल से स्नान किया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उत्तर प्रदेश जेल प्रशासन ने इसके लिए विशेष व्यवस्था की और प्रयागराज के संगम से जल को राज्य भर की 75 जेलों में पहुंचाया। प्रदेश सरकार में जेल मंत्री दारा सिंह चौहान ने लखनऊ जेल में इस कार्यक्रम की देखरेख की। दारा सिंह चौहान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'मुझे लगा कि दुनिया भर के लोग संगम तक पहुंच सकते हैं, लेकिन हमारी जेल के कैदी ऐसा नहीं कर सकते। इसलिए हमने जेल में अपने कैदियों के लिए व्यवस्था करने का फैसला किया।' जेल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य भर में सात केंद्रीय जेलों सहित 75 जेलों में वर्तमान में 90,000 से अधिक कैदी बंद हैं। जेल महानिदेशक (डीजी) पीवी रामाशास्त्री ने बताया कि संगम से जल सभी जेलों में लाया गया और सामान्य पानी के साथ मिलाकर जेल परिसर के भीतर एक छोटे से टैंक में संग्रहित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि कैदियों ने स्वेच्छा से प्रार्थना के बाद पानी से स्नान किया। मेरठ जेल के अधीक्षक वी आर शर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश के कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान के निर्देश पर संगम नगरी प्रयागराज से गंगा जल मंगवाकर जेल परिसर में एक छोटा स्नानागार बनवाया गया है, जिसमें पानी भरा गया। शर्मा ने बताया कि मटके में प्रयागराज से लाये गए जल को पानी में मिलाकर उस जल से कैदियों ने स्नान किया। उन्होंने बताया कि इस आयोजन से कई कैदियों ने संकल्प लिया कि वे भविष्य में समाज सेवा में अपना जीवन समर्पित करेंगे और सकारात्मक कार्यों से जुड़ेंगे। जेल अधीक्षक ने बताया कि महाकुंभ का लाभ जेल में बंद कैदियों को भी मिले, इस उद्देश्य से प्रयागराज से गंगा का जल मंगवाया गया है। उन्होंने बताया कि विधि-विधान से पंडितों के सान्निध्य में मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कर जल को जेल की हौज में डाला गया ताकि उस हौज के पानी से जेल में बंद समस्त कैदी कुंभ स्नान का लाभ ले सकें। अधीक्षक ने बताया कि जेल प्रशासन की इस पहल से जहां कैदियों में खुशी का ठिकाना नहीं रहा, वहीं हर तरफ कैदियों के लिए किए गए इस कार्य की जमकर सराहना भी हो रही है। उन्होंने बताया कि जेल प्रशासन द्वारा यह आयोजन कैदियों को धर्म, अध्यात्म और सनातन संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से किया गया। बागपत जिला कारागार के प्रभारी उप जेल अधीक्षक प्रशांत कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन एवं कारागार मुख्यालय के निर्देशानुसार आज (शुक्रवार) पूर्वाह्न करीब 10 बजे प्रयागराज महाकुंभ से अमृत कलश में लाये गये पवित्र जल से पूजन के बाद बागपत जेल में बंद सभी कैदियों को स्नान कराया गया।

वर्ष 2029 तक यूपी बनेगा एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था : योगी

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि वर्ष 2029 तक उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के अपने लक्ष्य को हासिल कर लेगा।

श्री योगी ने विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन शुक्रवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान सपा सदस्य रागिनी सोनकर के एक सवाल के जवाब में कहा कि उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि जब उनकी सरकार आई थी, तब राज्य की अर्थव्यवस्था 12 लाख करोड़ रुपये थी, जो इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 27.5 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी। प्रदेश सरकार 2029 तक उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग भारत को विकसित राष्ट्र नहीं मानते, वे उत्तर प्रदेश की आर्थिक वृद्धि पर भी सवाल उठाते हैं, भारत आज दुनिया की एक बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है। हो सकता है कि कुछ लोगों को अच्छा नहीं लग रहा हो क्योंकि जिनका अपना पर्सनल एजेंडा होता है, वह देश के विकास को अच्छा नहीं मानेंगे, लेकिन सच्चाई यह है कि देश की अर्थव्यवस्था आज विश्व में पांचवें स्थान पर पहुंच चुकी है और 2027 तक भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा ÷मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि वर्ष 2029 में उत्तर प्रदेश वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी भी बनेगा और देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बनेगा।÷

योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए 10 प्रमुख क्षेत्रों को चिह्नित किया है। इन क्षेत्रों में औद्योगिक विकास, कृषि, सामाजिक सुरक्षा, नगरीय विकास, राजस्व संग्रह, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और सेवा क्षेत्र शामिल हैं। प्रत्येक सेक्टर की मासिक समीक्षा की जाती है और मुख्यमंत्री स्वयं तिमाही समीक्षा करते हैं।

उन्होंने कहा कि 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले थे, जिनमें से 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश को जमीन पर उतारा जा चुका है। कई उद्योगों ने उत्पादन भी शुरू कर दिया है। इस निवेश से 60 लाख युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है। उन्होने कहा कि यह वही प्रदेश है जहां सीडी रेशियो 44 प्रतिशत था। आज यह 60 प्रतिशत क्रॉस कर चुका है। यह दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश का पैसा आज उत्तर प्रदेश में लग रहा है। यह रिजर्व बैंक की ही रिपोर्ट है कि पिछले पंच वर्षीय योजना के अंदर उत्तर प्रदेश देश का वो पहला राज्य है जिसने बैंको से सबसे अधिक लेन देन की है। जनधन अकाउंट उसके उदाहरण हैं।

योगी ने कहा कि जिनका कभी बैंक में अकाउंट नही था आज उनके अकाउंट में लाखों रुपये उन बैंको में जमा है। आज उनके अकाउंट में लाखों करोड़ रूपया उन बैंकों में जमा है इस बात का उदाहरण है कि व्यक्ति की क्रय करने की सामर्थ भी और जमा करने की सामर्थ भी बड़ी है यह प्रधानमंत्री मोदी जी की विजन के कारण संभव हो पाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश में सबसे अधिक एमएसएमई इकाइयां संचालित करने वाला राज्य बन चुका है। पिछली सरकारों की उपेक्षा के कारण यह सेक्टर बदहाल हो गया था, लेकिन वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना के माध्यम से इसे पुनर्जीवित किया गया। कोविड काल में वापस लौटे 40 लाख प्रवासी श्रमिकों की स्किल मैपिंग कर उन्हें एमएसएमई सेक्टर से जोड़ा गया, जिससे दो करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला। योगी ने बताया कि 24 जनवरी 2025 को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर 'सीएम युवा उद्यमी योजना' शुरू की गई, जिसके तहत 5 लाख रुपये तक के बैंक ऋण पर कोई ब्याज नहीं लिया जाएगा। योजना के पहले चरण में 5 लाख रुपये और दूसरे चरण में 10 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाएगा। अब तक 96 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश के किसानों की हालत 2017 से पहले बेहद खराब थी, लेकिन आज किसान आत्महत्या नहीं कर रहा, बल्कि अपनी उपज का डेढ़ गुना मूल्य पा रहा है। उन्होंने बताया कि धान की खेती में किसानों को प्रति क्विंटल 2300 रुपये मिल रहे हैं, जबकि लागत 1100 रुपये आती है। इसी तरह गेहूं पर भी सरकार किसानों को दोगुना मूल्य दे रही है।

गन्ना किसानों के भुगतान को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज किसानों को एक सप्ताह के भीतर भुगतान मिल रहा है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक राज्य बन चुका है और एथेनॉल उत्पादन में भी शीर्ष स्थान पर है। सरकार ने दलहन और तिलहन के लिए भी विशेष योजनाएं शुरू की हैं, जिससे किसानों की आमदनी में वृद्धि हो रही है। मुझे यह कहते हुए की पहली बार उन किसानों को सम्मान मिला है राजनीति अपनी जगह है लेकिन प्रोक्योरमेंट सेंटर के माध्यम से सीधे डीबीटी के माध्यम से किस के खाते में पैसा जा रहा है सीधे उसको पैसा दिया जा रहा है और दलहन तिलहन के लिए भी अतिरिक्त आमदनी उसके साथ उसे किस के उसके माध्यम से हो सकती है अन्य तमाम उसमें भी सरकार ने उसमें दलहन और तिलहन के लिए फ्री में बीज भी उपलब्ध करवाने का काम किया है तो क्या आपको लगता नहीं है कि यह डेढ़ गुना से ज्यादा दाम मिल रहा है और सरकार इसको आगे बढ़ने का भी काम करेगा। योगी ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं को स्वावलंबन के दिशा में जो कार्य हुए हैं उसमें अकेले उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती में 20 प्रतिशत भर्ती अनिवार्य रूप से की गई है। हर एक सेक्टर में उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। योगी ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा ÷ आप लोगों लगता है कि यूपी 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य नहीं हासिल कर पाएगा तो यह आपकी दुर्भावना हो सकती है, लेकिन सरकार की सद्भावना है कि उत्तर प्रदेश 5 वर्ष में इस टारगेट को अचीव करेगा। संसाधनों से भरपूर उत्तर प्रदेश को प्रकृति और परमात्मा की कृपा से ओतप्रोत इस उत्तर प्रदेश को जिसको आप लोगों ने समाजवादी पार्टी की सरकार ने और विपक्षी दलों की सरकार ने देश के बीमारू राज्यों की श्रेणी में लाकर के खड़ा कर दिया था, यह देश की छठी-सातवीं अर्थव्यवस्था के रूप में खड़ा किया था, इन संसाधनों का हम भरपूर उपयोग कर रहे हैं।÷

उन्होने कहा कि पिछले 8 वर्षों में डबल इंजन सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश छठी-सातवीं अर्थव्यवस्था से उभरकर देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 2029 तक उत्तर प्रदेश 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनकर देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। 2023 में 65 करोड़ पर्यटक राज्य में आए और महाकुंभ में अकेले 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के इस पोटेंशियल को जिसको देश और दुनिया आज देख रही है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का आयोजन उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देगा।

महाकुंभ करोड़ों संतों की आस्था, अध्यात्म और विरासत का संगम : हिमंत बिस्वा सरमा

प्रयागराज (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित भव्य और दिव्य महाकुंभ में पूरे परिवार संग पवित्र त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। इसके बाद उन्होंने त्रिवेणी संगम के तट पर मां गंगा की पूजा-अर्चना की।

स्नान के बाद मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, ÷त्रिवेणी संगम पर आज मैंने जो डुबकी लगाई, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। यह सिर्फ नदियों का संगम नहीं है, यह करोड़ों संतों की आस्था, अध्यात्म और विरासत का संगम है। महाकुंभ मनुष्य को महादेव से जोड़ने वाला दिव्य सेतु है।'

उन्होंने कहा कि सनातन ही अतीत, सनातन ही वर्तमान, और सनातन ही विश्व का भविष्य है। असम के सीएम ने लिखा, 'मैं अपने-आप को बहुत सौभाग्यशाली मानता हूं कि मैं महाकुंभ में भाग ले सका। उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इतनी बढ़िया व्यवस्था करने के लिए मैं बधाई देता हूं।'

'तीर्थराज प्रयागराज में परिवार सहित त्रिवेणी संगम स्नान करने का अपार सौभाग्य प्राप्त हुआ। जब तक सूरज-चांद रहेगा, तब तक सनातन धर्म रहेगा। हर-हर महादेव।'

महाकुंभ पर विपक्ष के बयानों पर कटाक्ष करते हुए हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और 'इंडी अलायंस' सनातन विरोधी है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से आग्रह किया कि वे भी कुंभ में आकर यहां की व्यवस्थाओं को खुद देखें, और संगम में डुबकी लगाएं।

ज्ञात हो कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महाकुंभ को लेकर हाल ही में विवादित बयान दिया था। उन्होंने महाकुंभ को 'मृत्यु कुंभ' बताया था। उनके इस बयान के बाद से देशभर के साधु-संतों ने कड़ा विरोध जताया है। साधु-संतों ने ऐलान कर दिया है कि अगर ममता बनर्जी माफी नहीं मांगती हैं तो आंदोलन किया जाएगा, देशभर के साधु-संत सड़कों पर उतरेंगे। वहीं, तृणमूल सुप्रीमो के बयान को लेकर पश्चिम बंगाल में भी विरोध देखने को मिला है।

महाशिवरात्रि के लिए उत्तर प्रदेश सरकार पूर्ण रूप से तैयार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महाकुंभ का भव्य आयोजन करते वाली उत्तर प्रदेश सरकार अब महाशिवरात्रि के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। प्रदेश सरकार के मंत्रियों ने महाशिवरात्रि को लेकर अपने विभागों के उच्च अधिकारियों को तमाम आवश्यक दिशा निर्देश दिये हैं। इसमें महाशिवरात्रि के दिन विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ रखने, प्रयागराज सहित प्रदेशभर से वाराणसी में श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर दर्शनार्थ 12 सौ अतिरिक्त बसें चलाने, बड़े शिवालयों के आसपास पर्याप्त स्वच्छता व सुरक्षा व्यवस्था रखने को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश मिले हैं। बता दें कि महाकुंभ के अंतिम पुण्य स्नान की तिथि महाशिवरात्रि ही है। महाशिवरात्रि पर प्रयागराज में स्नान कर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का वाराणसी में श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन एवं गंगा घाटों पर तीर्थाटन करने को पहुंचना होगा। प्रयागराज से वाराणसी तक के प्रमुख मार्गो को गड्ढ़ामुक्त रखने के लिए लोक निर्माण विभाग के मुख्याालय से निरंतर प्रयास जारी हैं। प्रमुख मार्गो के किनारे लगे विद्युत पोल से समुचित प्रकाश व्यवस्था को प्रतिदिन जांचा जा रहा है। पोल से पर्याप्त रोशनी नहीं मिलने पर तत्काल ही एलईडी बल्ब बदले भी जा रहे हैं। प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भव्य महाकुंभ का आयोजन को पूरी दुनिया ने देखा है। इस आयोजन में महाशिवरात्रि का विशेष महत्व है। जिसके लिए हमारी सरकार ने आवश्यक व्यवस्थाएं की है। वहीं परिवहन विभाग की ओर से महाशिवरात्रि स्नान एवं दर्शनार्थ आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 12 सौ बसों को रिजर्व रखा गया है। संगम क्षेत्र में 750 शटल बसें भी चल रही हैं। प्रयागराज सहित आसपास के जनपदों में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन पूर्ण रूप से सक्रियता बनाये हुए हैं। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने कहा कि महाकुंभ में महाशिवरात्रि के पुण्य स्नान के लिए हमारी सरकार की हर प्रकार की तैयारी है। महाकुंभ क्षेत्र में 250 सेंसर युक्त वाटर एटीएम लगवाये गये है। महाकुंभ क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 37 सौ एआई पावर्ड कैमरे लगवाये गये है। नगर विकास विभाग के सफाई कर्मचारियों ने स्वच्छता कार्य में कोई कमी नहीं छोड़ी है। प्रयाराज का महाकुंभ क्षेत्र हो, या शहरी क्षेत्र या फिर वाराणसी में श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर क्षेत्र हो, सभी को स्वच्छता से परिपूर्ण किया गया हैं।

उत्तर प्रदेश 2029 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा : सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन शुक्रवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान कहा कि उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। जब उनकी सरकार आई थी, तब राज्य की अर्थव्यवस्था 12 लाख करोड़ रुपये थी, जो इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 27.5 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी। उत्तर प्रदेश सरकार 2029 तक उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग भारत को विकसित राष्ट्र नहीं मानते, वे उत्तर प्रदेश की आर्थिक वृद्धि पर भी सवाल उठाते हैं, भारत आज दुनिया की एक बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है। हो सकता है कि कुछ लोगों को अच्छा नहीं लग रहा हो क्योंकि जिनका अपना पर्सनल एजेंडा होता है, वह देश के विकास को अच्छा नहीं मानेंगे, लेकिन सच्चाई यह है कि देश की अर्थव्यवस्था आज विश्व में पांचवें स्थान पर पहुंच चुकी है और 2027 तक भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि वर्ष 2029 में उत्तर प्रदेश वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी भी बनेगा और देश की अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ा योगदान देगा।

सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए 10 प्रमुख क्षेत्रों को चिह्नित किया है। इन क्षेत्रों में औद्योगिक विकास, कृषि, सामाजिक सुरक्षा, नगरीय विकास, राजस्व संग्रह, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और सेवा क्षेत्र शामिल हैं। प्रत्येक सेक्टर की मासिक समीक्षा की जाती है और मुख्यमंत्री स्वयं तिमाही समीक्षा करते हैं। 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले थे, जिनमें से 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश को जमीन पर उतारा जा चुका है। कई उद्योगों ने उत्पादन भी शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा कि इस निवेश से 60 लाख युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है। यह वही प्रदेश है, जहां सीडी रेशियो 44 प्रतिशत था। आज यह 60 प्रतिशत क्रॉस कर चुका है। यह दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश का पैसा आज उत्तर प्रदेश में लग रहा है। यह रिजर्व बैंक की ही रिपोर्ट है कि पिछली पंचवर्षीय योजना के अंदर यूपी देश का वो पहला राज्य है, जिसने बैंकों से सबसे अधिक लेन-देन किया है। जनधन अकाउंट इसके उदाहरण हैं। जिनका कभी बैंक में अकाउंट नहीं था, आज उनके अकाउंट में लाखों रुपये जमा हैं। जो इस बात का उदाहरण है कि व्यक्ति की क्रय करने और जमा करने की सामर्थ्य भी बड़ी है, यह प्रधानमंत्री मोदी के विजन के कारण संभव हो पाया है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश में सबसे अधिक एमएसएमई इकाइयां संचालित करने वाला राज्य बन चुका है। पिछली सरकारों की उपेक्षा के कारण यह सेक्टर बदहाल हो गया था, लेकिन 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) योजना के माध्यम से इसे पुनर्जीवित किया गया। कोविड काल में वापस लौटे 40 लाख प्रवासी श्रमिकों की स्किल मैपिंग कर उन्हें एमएसएमई सेक्टर से जोड़ा गया, जिससे दो करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला। 24 जनवरी 2025 को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर 'सीएम युवा उद्यमी योजना' शुरू की गई, जिसके तहत 5 लाख रुपये तक के बैंक ऋण पर कोई ब्याज नहीं लिया जाएगा।

उर्दू किसी जाति–बिरादरी की नहीं, देश की भाषा है : अवधेश प्रसाद

अयोध्या। समाजवादी पार्टी (सपा) के अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद ने शुक्रवार को कहा कि उर्दू किसी जाति–बिरादरी की भाषा नहीं है। यह प्रेम, मोहब्बत और सम्मान की भाषा है। उर्दू हमारे देश की सबसे अच्छी भाषा है। उन्होंने कहा कि तमाम ऐसे रिकॉर्ड कचहरी में उर्दू में हैं। उर्दू से उन लोगों को परेशानी है, जो हिंदू–मुस्लिम करके राजनीति करते हैं। इसके अलावा किसी को परेशानी नहीं है। उर्दू हमारे देश की सबसे अच्छी भाषा है। इसमें हिंदी के तमाम शब्द हैं। इसे लोग अपने भाषण में प्रयोग करते हैं। यह चलन की भाषा है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी के 'कठमुल्लापन' के बयान पर कहा कि उनका बयान किसी साधु–संन्यासी का नहीं हो सकता है। उत्तर प्रदेश का गौरवशाली इतिहास है। इस प्रदेश ने सात–सात प्रधानमंत्री दिए हैं। यहां गंगा–जमुनी संस्कृति है। यह प्रदेश के मुख्यमंत्री की भाषा नहीं हो सकती है। वह इस समय थोड़ा डिस्टर्ब हैं। महाकुंभ में असंख्य लोग मर गए। वह सवालों के घेरे में हैं। इस कारण वह डिस्टर्ब हैं और अनाप–शनाप बोल रहे हैं। हम उनकी बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं दे रहे हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष, विशेष रूप से समाजवादी पार्टी, पर तीखा हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि सपा अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम स्कूलों में पढ़ाएगी और जब सरकार आम जनता के बच्चों को बेहतर सुविधाएं देने की बात करती है, तो ये लोग उर्दू थोपने की वकालत करने लगते हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि सपा देश को 'कठमुल्लापन' की ओर ले जाना चाहती है, जो कतई स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने प्रदेश की स्थानीय बोलियों, भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी, को विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने के फैसले का स्वागत किया था। उन्होंने कहा था कि इन बोलियों को हिंदी की उपभाषाएं मानते हुए सरकार इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार इन भाषाओं के लिए अलग–अलग अकादमियों का गठन कर रही है, ताकि ये समृद्ध हों।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रायबरेली में रेल कोच फैक्ट्री का किया निरीक्षण

रायबरेली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी ने अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को रेल कोच कारखाना का निरीक्षण किया। इस दौरान एक छोटे बच्चे ने उन्हें गुलाब का फूल दिया। उन्होंने उसके चश्मे की तारीफ भी की।

राहुल गांधी रेल कोच फैक्ट्री पहुंचे तो वहां मौजूद लोग चिल्लाने लगे। राहुल गांधी ने सभी का अभिवादन स्वीकार किया। उन्होंने कुछ लोगों से मुलाकात भी की। इस दौरान कई लोगों ने राहुल गांधी के साथ सेल्फी भी ली। इसके पहले उन्होंने गेस्ट हाउस में मिलने पहुंचे एक व्यक्ति से कहा कि राजनीति करनी है तो सामना करना पड़ेगा, डरना नहीं है। घबराना और डरना नहीं।

उन्होंने अलग-अलग संगठनों के लोगों से भी मुलाकात की। कोई अनुसूचित जाति से संबंधित था तो कोई पिछड़ा वर्ग से, तो कोई शिक्षा से संबंधित मामला लेकर आए थे। अल्पसंख्यक वर्ग के लोग भी अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे थे। राहुल गांधी ने स्कूली बच्चों से भी बातचीत की। एक बुजुर्ग ने स्कूल में कमरे की मांग की, जिस पर राहुल गांधी ने आश्वासन दिया। किसी ने अपनी बच्ची की शादी के लिए तो किसी ने और काम के लिए राहुल गांधी से मुलाकात की। राहुल गांधी ने अपनी गाड़ी को रुकवाया और लोगों की समस्याएं सुनी। वहीं, लालगंज में आयोजित 'युवा संवाद' में राहुल गांधी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश में बेरोजगारी युवाओं की सबसे बड़ी समस्या है, लेकिन भाजपा सरकार रोजगार देने में पूरी तरह से फेल साबित हुई है। यह सरासर अन्याय है। हम लगातार युवाओं के लिए लड़ रहे हैं, उन्हें न्याय दिलाकर रहेंगे। आज हिंदुस्तान का युवा बेरोजगार है। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी सरकार ने नोटबंदी और गलत जीएसटी लागू करके छोटे उद्योगों को खत्म कर दिया। अगर युवाओं को रोजगार देना है तो छोटे व्यापारियों की मदद करनी होगी, जीएसटी को बदलना होगा, बैंकों के दरवाजे हिंदुस्तान के उद्यमियों के लिए खोलने होंगे। उन्होंने आगे कहा कि हिंदुस्तान के सामने दो मुद्दे हैं, बेरोजगारी और महंगाई, जिसकी बात भाजपा नहीं करती है। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पूरी तरह से फेल है। इसे हटाइए, युवाओं को रोजगार मिलना शुरू हो जाएगा, जैसे कर्नाटक में मिल रहा है।

ग्राम दुजाना में भव्य बम्प वादन प्रतियोगिता संपन्न, वरिष्ठ नागरिकों और संस्थाओं का हुआ सम्मान

फ्यूचर लाइन टाईम्स
दादरी : दिनांक फरवरी 20/2025 को ग्राम दुजाना निवासी ओमवीर सिंह आर्य एडवोकेट ने बताया कि ग्राम दुजाना गौतम बुद्ध नगर के एनटीपीसी खंड के ग्राम दुजाना में दुजाना निवासियों द्वारा इस वर्ष ग्राम गौरव उत्सव में विशेष रुप से सातों बिरादरी के व्यक्तियो का ग्राम के विकास के लिए सम्मान किया गया और बम्प वादन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें गांव के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस ऐतिहासिक आयोजन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के मेरठ प्रांत प्रचारक अनिल जी और मेरठ प्रांत ग्राम प्रमुख राजकुमार जी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गांव की संस्कृति, वीरता और समाज सेवा को बढ़ावा देना था, जिससे ग्रामीण जीवन और अधिक समृद्ध हो सके। इस आयोजन के दौरान गांव में वर्षों से सेवा और समाज कल्याण में योगदान देने वाले वरिष्ठ नागरिकों और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। ये सम्मान उनके योगदान की

सराहना और नए समाज सेवकों को प्रेरित करने के लिए प्रदान किए गए। सम्मानित संस्थाएं और व्यक्तिगत सम्मान :1. सैनिक रिटायर्ड एसोसिएशन - गांव के भूतपूर्व सैनिकों की संस्था, जो समाज और युवा पीढ़ी और समाज को प्रेरित कर रही है।, 2. दादी सत्ती मंदिर समिति झ इस समिति ने गांव के धार्मिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।, 3.दादी सत्ती मन्दिर समिति ही द्वारा निशुल्क ब्लड डोनेट कराने वाली संस्था - जरूरतमंदों के लिए रक्तदान अभियान चलाकर समाज सेवा में योगदान दिया।, 4. उम्मीद संस्था - गरीब और जरूरतमंद बच्चों को निशुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए सम्मानित किया गया।, 5. संकल्प संस्था - यह संस्था समाज सेवा से जुड़ी है और गांव में कई सामाजिक कार्य कर चुकी है।, 6. ब्लॉक प्रमुख श्रीमती अप्रीत कौर - गांव के तालाबों की सफाई और जल संरक्षण के लिए किए गए प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया।

7. ओमवीर सिंह आर्य एडवोकेट झ माता दयावती की स्मृति में 3700 व्यक्तियों का निशुल्क नेत्र इलाज कराने के लिए सम्मानित।

8. तेजवीर सिंह - सामाजिक कार्यों के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त करने वाले गणमान्य व्यक्ति।, 9. सुभाष शर्मा, किरण पाल महास्य और प्रकाश - इन सभी को लोकगीत और सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए सम्मानित किया

गया।,10. भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष शुशील नागर,11. बार एसोसिएशन गौतमबुद्ध नगर के पूर्व अध्यक्ष आजादी की लड़ाई में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दादरी राव परिवार के सदस्य शुशील भाटी एडवोकेट ,12. बार एसोसिएशन गौतमबुद्ध नगर के वर्तमान सचिव अजीत नागर एडवोकेट 13. वरिष्ठ पत्रकार आकाश नागर कचैडा,

14 ओमप्रकाश लोकगीत गायक , 15. राष्ट्रीय लोकगीत गायक महास्य किरणपाल नागर, 16. अनिल नागर कप्तान को परिवार के सदस्य अमित नागर क्रिकेट के बहतर प्रदर्शन के लिए।,17. जय नागर को धावक के रूप में जो अन्तर्राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जिता विश्व के अंडर 20 में छटे नम्बर के धावक रहै है, गणमान्य व्यक्तियों को मूमेंटो और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया, जिससे गांव के लोगों में समाज सेवा और लोक संस्कृति को आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिले। दुजाना गांव में खेल, शिक्षा, सामाजिक कार्य, सिनेमा, क्रिकेट, कुंग फू बॉक्सिंग और राजनीति सहित कई क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगामी सम्मान समारोह में विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन व्यक्तियों को पहचान और प्रोत्साहन देना है, जिन्होंने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है। इसके अलावा, अन्य कई क्षेत्रों की दर्जनों हस्तियां, जो समय की बाध्यता के कारण इस बार सम्मान सूची में शामिल नहीं हो

सकीं, उन्हें आगामी कार्यक्रमों में सम्मानित किया जाएगा। यह पहल समाज में प्रेरणा और सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से की जा रही है। बम्प वादन प्रतियोगिता गांव के युवाओं और बुजुर्गों के लिए एक रोमांचक आयोजन रहा। इस प्रतियोगिता में युवाओं ने अपनी कला और परंपरागत संगीत वादन का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के विजेताओं को गुड़ की बेहली और मूमेंटो देकर सम्मानित किया गया, जिससे ग्रामीणों में प्रतियोगिता के प्रति उत्साह और बढ़ गया। इस अवसर पर ईलमचंद नागर ने गाव दुजाना के ऐतिहासिक और गौरवशाली अतीत पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह गांव अपनी परंपराओं, वीरता और सामाजिक समरसता के लिए हमेशा से जाना जाता रहा है। गांव के योद्धाओं और समाजसेवकों ने देश और समाज की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसकी विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प सभी ग्रामीणों ने लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान ब्रह्म सिंह नागर ने की, जबकि मंच संचालन की जिम्मेदारी मा. भूपेंद्र नागर ने संभाली। दोनों ही गांव के सम्मानित व्यक्तित्व हैं और सामाजिक कार्यों में सक्रिय योगदान देते हैं। गांव के इस भव्य कार्यक्रम में क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने भाग लिया, जिनमें शामिल थे मा. ब्रह्मा सिंह, गेला सिंह (केप्टेन) महाराज सिंह, दयानंद नागर, राजकुमार आर्य एडवोकेट, ओमवीर सिंह आर्य एडवोकेट, सुखबीर नागर एडवोकेट, सोमेन्द्र नागर (ब्लॉक प्रमुख पुत्र) अजीत नागर, संजीव नागर, डॉ. देवेंद्र सिंह आर्य, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक प्रवीर जी, नोरंग जी, शुशील जी, राजकुमार भाटी, देवेश, शरदाराम नागर,चन्द्रपाल नागर, निर्देश पहलवान, यशबीर भगत, मोनू भगत, विनय नागर, इन सभी गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। इस आयोजन में पूरे ग्रामवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और इसे यादगार बना दिया। बम्प वादन प्रतियोगिता और सम्मान समारोह ने गांव के सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने को और मजबूत किया। इस आयोजन से गांव के युवाओं और बुजुर्गों को अपनी परंपराओं और समाज सेवा के प्रति जागरूक होने का संदेश मिला। ग्राम दुजाना में इस तरह के आयोजनों से गांव की संस्कृति, परंपरा और सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलता है और आने वाली पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा मिलती है।

100 दिन के टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सलाम नमस्ते ने किया जागरुक

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। सेक्टर 62 स्थित आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते ने 100 दिन के टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत मोरना गांव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। शुक्रवार को कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों को टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाने, इसके रोकथाम एवं इलाज को लेकर जानकारी मुहैया करायी गयी। वहीं रेडियो सलाम नमस्ते के माध्यम से आज लोगों को सेहतिया सिंह के कैरेक्टर से रूबरू कराया गया।सेहतिया सिंह के कैरेक्टर से रूबरू कराते हुए आईएमएस के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने कहा कि यह एक अनोखा कैरेक्टर है, जो स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां मनोरंजक तरीके से लोगों तक पहुंचाएगी। वहीं संस्थान के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि रेडियो सलाम नमस्ते की यह पहल समाज

के हर वर्ग तक पहुंच बनाने और टीबी जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभा रही है।सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि सेहत सही लाभ कई अभियान के अन्तर्गत सेहतिया सिंह गौतमबुद्ध नगर के गांवों में जाकर लोगों को टीबी, फाइलेरिया एवं सेहत से जुड़ी अन्य जानकारियां देगी। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी मुक्त नोएडा बनाना है। वहीं आज के कार्यक्रम के दौरान मोरना गांव में टीबी के लक्षण, बचाव एवं उपचार के बारे में जानकारी साझा की गई। स्मार्ट संस्था के सहयोग से संचालित इस कार्यक्रम को 6 दिसंबर से 15 मार्च तक टीबी की जागरूकता, टीबी चैंपियन की कहानियां एवं सरकार के द्वारा दी गई सुविधाओं की चर्चा की जा रही है। आज कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को टीबी मुक्त भारत की शपथ दिलाई गई और इस बीमारी के खिलाफ मिलकर लड़ने के लिए आह्वान किया।

पुलिस चौकी के पास कार सवार बैंक के डाटा मैनेजर की गोली मारकर हत्या

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। डी पार्क में शुक्रवार को कार सवार बैंक के डाटा मैनेजर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। परिजनों ने मृतक की पत्नी, साले और ससुर पर हत्या का आरोप लगाते हुए ईकोटेक-तीन कोतवाली में केस दर्ज कराया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। घटना स्थल से 100 मीटर दूर ही डी पार्क पुलिस चौकी है।

गाजियाबाद के इंदिरापुरम निवासी मंजीत मिश्रा (29) आर्यव्रत बैंक में डाटा मैनेजर थे। उन्होंने एक साल पहले घरवालों की मर्जी के खिलाफ दिल्ली की मेघा राठौर से प्रेम विवाह किया था। तब से उनके और ससुराल पक्ष के लोगों में तनाव चल रहा था। वर्तमान में पत्नी मायके में रह रही है। शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे वह ग्रेनो के डी पार्क स्थित डाटा सेंटर के पास पहुंचे तो बदमाशों ने उन्हें गोली मारदी। लोगों ने इसकी सूचना डायल-112 के साथ ईकोटेक-तीन कोतवाली पुलिस को दी। घटना स्थल से 100 मीटर दूर डी पार्क चौकी से पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। घायल को न्यूमेड अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के पास से मिले दस्तावेजों के आधार पर परिजन को सूचित किया। परिजनों ने ससुराल वालों पर हत्या के आरोप लगाए हैं। पत्नी और साले के खिलाफ तहरीर दी है।

अंतरजातीय विवाह किया था परिजन ने बताया कि मंजीत ने दूसरी बिरादरी की युवती से प्रेम विवाह किया था। तब साले और ससुर ने उनकी हत्या की धमकी दी थी। मामले में इंदिरापुरम कोतवाली में दोनों पक्षों में वार्ता भी हुई थी। परिजन ने मंजीत के ससुर और साले पर हत्या का आरोप लगाया है। ससुराल वालों ने मंजीत के खिलाफ घरेलू हिंसा का आरोप लगाते हुए कोतवाली में शिकायत की है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि युवक और युवती कब और कैसे संपर्क में आए थे। परिजन ने पुलिस को सिर्फ इतना बताया है कि युवक और युवती करीब आठ साल पहले संपर्क में आए थे। मंजीत क्षेत्र के क्लाइंट और बैंक के क्लाइंट का डाटा ग्रेटर नोएडा के स्टोर में जमा कराने हर शुक्रवार को जाते थे। पुलिस को शक है कि रेकी के बाद वारदात की गई है। गिरफ्तारी के लिए दो पुलिस टीमें गठित की गई हैं।

घटना स्थल के पास सीसीटीवी नहीं होने से जांच में परेशानी

घटना स्थल के पास सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा होने के कारण पुलिस को जांच में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुलिस की ओर से पोस्टमॉर्टम से पहले तक मंजीत की धारदार हत्या से हत्या की बात कही जा रही थी। घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम के साथ ही डीसीपी, एडीसीपी, एसीपी स्तर के अधिकारियों ने निरीक्षण किया। मौके से कोई कारतूस बरामद नहीं हुआ है। पुलिस जांच के लिए सर्विलांस की मदद ले रही है और सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

बिना मान्यता के चल रहे स्कूल के खिलाफ कार्यवाही करने की उठी मांग बच्चो के भविष्य से खिलवाड़ किये जाने का आरोप

फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्रेटर नोएडा। : कोतवाली जारचा के एनटीपीसी क्षेत्र में बिना मान्यता के चल रहे स्कूल के खिलाफ कार्यवाही की मांग पुलिस आयुक्त पोर्टल पर शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है। देविंद्र खारी अधिवक्ता कनिष्ठ उपाध्यक्ष दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर ने बताया कि एनटीपीसी चौकी क्षेत्र के ततारपुर चौराहे पर नर्सरी से कक्षा पांच तक एक निजी स्कूल संचालित किया जा रहा है स्कूल में पढने वाले छात्रों से मोटी फीस वसूली जा रही है मान्यता नही होने पर बच्चो के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा बिना मान्यता के स्कूल चलाना कानूनी जुर्म है उन्होने जिलाधिकारी व पुलिस आयुक्त के पोर्टल पर शिकायत कर प्रकरण की जांच कर कार्रवाई किये जाने की मांग की है जिससे बच्चो के भविष्य को बचाया जा सके। स्कूल प्रबंधन ने बताया कि स्कूल मान्यता के लिए विभाग उनकी फाईल प्रोसेसिंग में चल रही है जल्द मान्यता मिली जायेगी।

महाकुंभ से पवित्र गंगा जल गौतमबुद्धनगर जेल पहुंचा

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिला कारागार में एक अनूठा दृश्य देखने को मिला। बंदियों ने महाकुंभ से लाए गए गंगाजल से स्नान किया। कार्यक्रम सुबह 8:30 बजे शुरू हुआ।कारागार परिसर में रह रहे परिवारों को भी संगम का पवित्र जल दिया गया। इसके लिए 500 बोतलें वितरित की गईं। जेल अधिकारियों ने त्रिवेणी संगम से पवित्र जल मंगवाया। 11 विद्वान पंडितों के साथ बंदियों ने ढोल-ताशे के साथ कलश यात्रा निकाली। यात्रा सभी बैरकों में गई। बंदी पुष्पवर्षा कर कलश का स्पर्श कर आशीर्वाद ले रहे थे। इसके बाद जल कुंड में पवित्र जल मिलाया गया।जेल अधीक्षक बृजेश कुमार ने बताया कि सांस्कृतिक मान्यताओं के अनुसार अमृत की एक बूंद से पूरा जल पवित्र हो जाता है। साधु-संतों के स्पर्श से इसकी महिमा और बढ़ जाती है। बंदियों ने श्रद्धा से स्नान किया। हर-हर गंगे और महादेव की जयकार के साथ इस धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

यमुना एक्सप्रेस-वे के सर्विस रोड पर खतरनाक स्टंट

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ग्रेटर नोएडा में युवाओं द्वारा सोशल मीडिया पर वायरल होने की चाह में किए जा रहे खतरनाक स्टंट का एक नया मामला सामने आया है। दनकौर कोतवाली क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेसवे के सर्विस रोड पर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के पास दो युवकों ने बाइक पर खतरनाक हरकत की। बाइक पर सवार एक युवक वाहन चला रहा था। दूसरा युवक पीछे की सीट पर उल्टा बैठकर रील बना रहा था। इस दौरान एक कार सवार ने युवकों की तस्वीरें खींच लीं। ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। एक्सप्रेसवे और सर्विस रोड पर रील बनाने का खतरनाक ट्रेंड बढ़ता जा रहा है। इससे अन्य वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने कहा कि वायरल फोटो का संज्ञान लेकर कार्रवाई की जाएगी।

एमयूआईटी के छात्र एलुमनी मीट में सिंगर बी प्राक के गीतों पर झूमेंगे

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। सेक्टर 110 स्थित महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में 22 फरवरी को एलुमनी मीट का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों को एक मंच पर लाकर उनके अनुभवों और उपलब्धियों को साझा करना है।

कुलपति प्रो. भानु प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन न केवल पुराने छात्रों को फिर से जोड़ने का अवसर देगा, बल्कि विवि के विकास में पूर्व छात्रों की सहभागिता को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। डायरेक्टर कॉरपोरेट अफेयर्स रतीश गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम में मशहूर बॉलीवुड सिंगर बी प्राक अपनी शानदार लाइव प्रस्तुति देंगे। उनके दिल छू लेने वाले गाने और जबरदस्त परफॉर्मेंस इस इवेंट को संगीतमय और मनोरंजक बना देंगे। साथ ही विवि के पूर्व छात्र और विद्यार्थी उनके लाइव कंसर्ट का भरपूर आनंद उठा सकेंगे। इस मौके पर डीन अकादमिक डॉ. तृप्ति अग्रवाल, असिस्टेंट रजिस्ट्रार संदीप शर्मा, डायरेक्टर कॉरपोरेट अफेयर्स रतीश गुप्ता और कार्यक्रम के संयोजक शिवम् यादव उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में हेपेटाइटिस बी पीड़ित गर्भवती की भी होगी डिलीवरी

फ्यूचर लाइन टाईम्स नोएडा। जिला अस्पताल में अब हेपेटाइटिस बी से पीड़ित गर्भवती महिलाओं की भी डिलीवरी हो सकेगी। अस्पताल को डिलीवरी के 24 घंटे के अंदर नवजात को लगने वाले हेपेटाइटिस बी इम्यून ग्लोब्युलिन वैक्सीन मिल गई है। अभी तक वैक्सीन नहीं होने की वजह से दिल्ली रेफर किया जाता है। इससे गर्भवती महिलाओं को परेशानी होती थी। राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के तहत हेपेटाइटिस बी व सी के संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए जिला अस्पताल व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर निशुल्क जांच की जा रही है। जांच में सकारात्मक मिलने पर दवा भी उपलब्ध कराई जा रही है। लगातार इनका फालोअप लिया जा रहा है। इसके लिए जिला अस्पताल में विशेष ओपीडी चल रही है।इन बीमारी के मरीजों को बेहतर इलाज देने के लिए बाल चिकित्सालय व स्नातकोत्तर संस्थान में हेपेटाइटिस बी और सी के वायरल लोड की भी निशुल्क जांच की जा रही है। वारयल लोड की जानकारी के बाद ही मरीज की गंभीरता की जानकारी मिल पाती है, जिससे डॉक्टर सटीक इलाज कर पाते हैं। वहीं कार्यक्रम के तहत अस्पताल में जांच का दायरा भी बढ़ाया जा रहा है। स्वास्थ्य केंद्रों पर आने वाले लोगों को भी हेपेटाइटिस बी सी के प्रति जागरूक किया जा रहा है, ताकि वह अस्पताल आकर जांच करा सकें। इस दौरान अगर गर्भवती महिला के जांच में हेपेटाइटिस बी पुष्टि होती है तो डिलीवरी के लिए रेफर कर दिया जाता है। दिल्ली के अस्पतालों में भर्ती के दौरान भी परेशानी होती है।

डॉ महेश शर्मा ने एक्सक्लूसिव लैब-ग्रोन डायमंड और पोल्की ज्वैलरी शोरूम का किया भव्य उद्घाटन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। इवाना ज्वेलर्स (सूरत) सेक्टर 18 नोएडा में तीन दिवसीय एक्सक्लूसिव लैब-ग्रोन डायमंड और पोल्की ज्वैलरी शोरूम का भव्य उद्घाटन पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद डॉ महेश शर्मा ने किया। इस मौके पर सीए विपिन साहनी (संस्थापक, मयूर स्कूल), सुशील जिंदल व किरण जिंदल (सूरत), रहमान इलाही (एमडी, यूनाइटेड प्रेशर कुकर एवं संस्थापक मयूर स्कूल) सीए प्रदीप गोयल, शिल्पी गोयल, योगित जिंदल व आयुषी जिंदल सहित नोएडा शहर कर तमाम अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जबकि श्रीमती सावित्री जिंदल (चेयरपर्सन एमरिटस ओपी जिंदल ग्रुप) 23 फरवरी को मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगी।

इस मौके पर मुख्य अतिथि व उद्घाटन कर्ता सांसद डॉ महेश शर्मा ने इवाना ज्वेलर्स के बारे में कहा कि इवाना ज्वेल्स (सूरत), लैब-ग्रोन डायमंड और पोल्की ज्वैलरी का नोएडा में विस्तार हुआ है और यह आभूषण प्रेमियों के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा उन्होंने इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं भी दी। अपने उद्बोधन में सीए प्रदीप गोयल ने बताया की नैतिक और टिकाऊ आभूषणों की बढ़ती मांग के साथ, इवाना ज्वेल्स का लक्ष्य उच्च गुणवत्ता वाले, पर्यावरण के अनुकूल और उत्तम प्रयोगशाला में उगाए गए हीरे और पारंपरिक पोल्की आभूषण प्रदान करना है। शोरूम आधुनिक खरीदारों के लिए डिजाइन किए गए एक विशेष संग्रह की पेशकश करेगा जो विलासिता और स्थिरता दोनों चाहते हैं। उन्होंने बताया, नोएडा एक लक्जरी रिटेल हब के रूप में उभर रहा है, जो इसे इवाना ज्वेलर्स (सूरत) के विस्तार के लिए एकदम सही गंतव्य बनाता है। सेक्टर 18 में अपने रणनीतिक स्थान के साथ, यह शोरूम उच्च श्रेणी के ग्राहकों, दुल्हन के खरीदारों और समकालीन और विरासत डिजाइनों की तलाश करने वाले आभूषण प्रेमियों को पूरा करेगा।

जिलाधिकारी के निदेर्शों के क्रम एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति की समीक्षा बैठक संपन्न

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतम बुद्ध नगर : जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निदेर्शों के क्रम में एवं अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व अतुल कुमार की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में भूगर्भ जल अधिकारी अंकिता राय ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को अवगत कराया कि विभागीय पोर्टल पर कुल 40 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनके सापेक्ष जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति के द्वारा 18 आवेदनों को स्वीकृत किया जायेगा, 06 आवेदनों को अस्वीकृत किया गया तथा 03 आवेदन जो राज्य प्राधिकरणों को अग्रसारित किया गया है तथा शेष 13 पर संबंधित प्राधिकरण से आख्या नही मिलने के कारण अनिर्णीत रहे।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने जनपद में भूजल का अधिकतम संरक्षण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जनपद स्तरीय टास्क फोर्स को निर्देशित किया कि जनपद में अभी तक भूगर्भ जल प्रयोजन के लिए जारी हो चुके अनापत्ति प्रमाण पत्र के सापेक्ष औद्योगिक, इंफ्रास्ट्रक्चर, कमर्शियल तथा सामूहिक उपभोक्ताओं द्वारा भू जल संरक्षण एवं पुनर्भरण के लिए रूफटॉप

रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का परिसर में निर्माण, तालाबों का जीर्णोद्धार के लिए की जा रही गतिविधियों के संबंध में सभी से रिपोर्ट प्राप्त की जाए और यदि अनापत्ति प्रमाण प्राप्त करने के बावजूद उनके द्वारा वाटर रिचार्ज को लेकर यदि कोई गतिविधि नहीं की जा रही तो संबंधित का अनापत्ति प्रमाण पत्र निरस्त की जाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही रेजिडेंस सोसाइटी, अपार्टमेंट सरकारी भवनों, कार्यालय आदि में भी वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चरों की स्थिति की गहन समीक्षा की जाए। साथ ही निर्देश दिए कि बरसात के मौसम सभी सरकारी कार्यालयों, भवनों व हाईराइज सोसाइटियों में लगे रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सक्रिय रहने चाहिए।

अपर जिलाधिकारी ने भूगर्भ विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि भूगर्भ जल संरक्षण को और अधिक बढ़ावा देने के उद्देश्य से बड़ी-बड़ी औद्योगिक इकाइयों को भी तालाबों के पुनर्भरण एवं जीर्णोद्धार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए एवं भूगर्भ विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये कि जनपद वासियों को जल सरंक्षण के लिए जागरूकत करने के उद्देश्य से जागरूकता गोष्ठी का आयोजन निरन्तर स्तर पर कराया जायें।

इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर धर्मवीर सिंह, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अंकुर वाचुका, नोएडा/ग्रेटर नोएडा/यमुना विकास प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, वन विभाग के संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता की चुनौतियां

ललित गर्ग

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का सफर चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि उनका उन सारी घोषणाओं और वादों को पूरा करना है, जो चुनाव के दौरान तीन किश्तों में जारी चुनाव घोषणा पत्र में किए थे और जिसे सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था।

भारतीय जनता पार्टी ने फिर एक बार दिल्ली मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता के नाम को लेकर न केवल चौंकाया बल्कि एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक साथ कई समीकरणों को साधने का प्रयास किया है। इस चौंकाने वाले फैसले के पीछे भाजपा की कई रणनीतियां हैं, एक तरफ जहां जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश है वहीं दूसरी तरफ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को भी खत्म किया गया है। रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा ने एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाया है जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। रेखा गुप्ता भले ही पुरानी संघ के जुड़ी नेता रही हो, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कोई बहुत ज्यादा नहीं रहा है। लेकिन भाजपा की इस नई तरह की राजनीति एवं सोच ने राजनीतिक दिग्गजों एवं कद्दावर नेताओं के स्थान पर नये चेहरों को आगे करके राजनीति की नई परिभाषा गढ़ती रही है, जो सफल भी रही है और राजनीति में परिवार एवं परम्परा को नकारा है। निश्चित ही अन्य राज्यों की भांति दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता भी नया इतिहास का सृजन करते हुए विकास की नई गाथा लिखेंगी। दिल्ली से पहले भाजपा की 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में सरकार थी लेकिन कोई भी महिला मुख्यमंत्री नहीं थी। दिल्ली में चौथी मुख्यमंत्री के रूप में भले ही रेखा गुप्ता का नाम राजनीति गलियारों में व्यापक चर्चा का विषय बन रहा हो, लेकिन राजनीति में महिलाओं के वर्चस्व को बढ़ाने की यह कोशिश अभिनन्दनीय एवं सराहनीय है।

राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और मध्यप्रदेश में भाजपा ने मुख्यमंत्री के नामों को लेकर चौंकाया था। लेकिन यह संदेश भी दिया था कि पार्टी में बड़ा चेहरा होना सब कुछ नहीं है। कर्मठ कार्यकर्ता होना बहुत कुछ है, जो बिना अभिमान पार्टी नेतृत्व के सोच को आसमानी ऊंचाई दे सकता है। रेखा गुप्ता शालीमार बाग सीट से जीतकर पहली बार विधायक बनी हैं। शुक्रवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में रेखा गुप्ता ने नौवें मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे। रेखा गुप्ता पेशे से एक वकील हैं। भाजपा में उनकी गिनती अग्रणी नेताओं में होती है, वे दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। रेखा गुप्ता का जन्म हरियाणा के जींद में हुआ था, लेकिन उनकी शिक्षा-दीक्षा दिल्ली में हुई है। रेखा गुप्ता से पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी इस पद पर रह चुकी हैं। रेखा गुप्ता पुरानी संघ से जुड़ी नेता रही हैं, दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्र संघ अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपना राजनीतिक सफर शुरू करने वाली रेखा गुप्ता कोमल स्वभाव, खुशमिजाज, संवेदनशील लेकिन बेबाकी, बेखौफ एवं बुलन्द आवाज में अपनी बात रखने का उनका माद्दा उनको एक खास पहचान देता है।

निश्चित ही दिल्ली का नया मंत्रिमण्डल सशक्त एवं कार्यक्षम है। वैसे एक बड़ी सच्चाई तो यही है कि दिल्ली की जीत अगर किसी एक चेहरे पर हुई थी, तो वह नरेंद्र मोदी थे। दिल्ली की जनता से मोदी ने जो वायदे किये हैं, उनको पूरा करने के लिये वे स्वयं दिल्ली पर निगरानी रखेंगे। उनका मार्गदर्शन एवं नेतृत्व ही दिल्ली के विकास की नई गाथा लिखेगा। प्रवेश वर्मा सहित छह लोगों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इस सूची में पंकज सिंह, आशीष सूद, रवींद्र इंद्रराज, कपिल मिश्रा और मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम शामिल है। पंकज सिंह बिहार के रहने वाले हैं और राजपूत चेहरा हैं, इसके अलावा रविंद्र इंद्राज दलित चेहरा हैं, कपिल मिश्रा ब्राह्मण तो सिरसा सिख। भाजपा ने सभी वर्गों को मंत्रिमण्डल में जगह दी है।

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का सफर चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि उनका उन सारी घोषणाओं और वादों को पूरा करना है, जो चुनाव के दौरान तीन किश्तों में जारी चुनाव घोषणा पत्र में किए थे और जिसे सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था। इनमें यमुना की सफाई, स्वच्छ पेयजल, साफ प्रदूषण रहित हवा दिल्ली को देना, प्रति वर्ष 50 हजार नई नौकरियों का सृजन, महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देना, वृद्धों को पेंशन, मुफ्त बस यात्रा, नालों गलियों सीवर की सफाई, सड़कों की मरम्मत, ट्रैफिक जाम से निजात समेत आप सरकार की मुफ्त बिजली पानी जैसी लोकलुभावन योजनाओं को जारी रखना शामिल होगा। खासकर 15 साल तक मुख्यमंत्री रहीं और दिल्ली की सूरत बदलने वाली शीला दीक्षित के कामकाज से रेखा सरकार के कामकाज की तुलना होगी। इसके साथ ही रेखा गुप्ता को उपराज्यपाल और केंद्र सरकार के साथ तालमेल बिठाते हुए भी ये संदेश भी देना होगा कि वे कठपुतली मुख्यमंत्री नहीं हैं। इसके लिए उन्हें शीला और सुषमा का उदाहरण सामने रखकर नयी रेखाएं खिंचनी होगी। भले ही मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ रेखा गुप्ता दिल्ली के दिलों पर छा गईं हो, एकाएक उनके फॉलोअर्स की रफ्तार देख हर कोई हैरान हो, उन्होंने दिग्गजों को पछाड़ा हो, लेकिन असली परीक्षा अब होगी और वह परीक्षा है उनका काम करने का तरीका एवं दिल्ली को दुनिया की अव्वल राजधानियों में शुमार कराने का।

रेखा गुप्ता के सामने विपक्ष आम आदमी पार्टी के आक्रामक विरोध से निपटने की भी चुनौती होगी। 22 विधायक और 43 फीसदी मत प्रतिशत वाली आप विधानसभा के भीतर बाहर सरकार के विरोध में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इन बाहरी चुनौतियों के साथ ही पार्टी के भीतर वो नेता जिनकी नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर थी, उनके भीतरघात से भी सजग रहने व निपटने की चुनौती होगी। हालांकि, मौजूदा भाजपा नेतृत्व के दौर में भीतरघात बहुत असरदार नहीं बचा है, लेकिन इसके बावजूद भाजपा नेताओं की ही एक जमात उन्हें विफल होते भी देखना चाहेगी। मुख्यमंत्री को उन पर भी नजर रखनी होगी। आखिरी सबसे बड़ी चुनौती नौकरशाही पर सार्थक नियंत्रण और उसे जनोन्मुखी बनाने की होगी। साथ ही दिल्ली के सभी वर्गों समूहों और क्षेत्रों में संतुलन साधते हुए विकास करने की होगी। दिल्ली देश की राजधानी और केंद्र के सीधे नियंत्रण में है, इसलिए उनके हर काम पर देश एवं दुनिया के मीडिया के साथ-साथ केन्द्र की नजर रहेगी, इसलिए उन्हें फूंक फूंक कर कदम रखने होंगे।

दिल्ली का विकास केजरीवाल सरकार के दौर में अवरुद्ध रहा है। जीत के बाद विजयी भाषण में प्रधनमंत्री मोदी ने यमुना को लेकर कई बड़े वादे किए हैं, जिनपर रेखा गुप्ता सरकार को खरा उतरना होगा। तय डेडलाइन पर यमुना का जीर्णोद्धार हो पाए इसका इंतजार दिल्ली की जनता कर रही है। दिल्ली की जनता यमुना नदी को अहमदाबाद की साबरमती नदी की तर्ज पर सौन्दर्यकरण के साथ विकसित होते हुए देखने को उतावली है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में इस वक्त सड़क कॉरिडोर प्रस्तावित है। इसके अलावा दिल्ली में कई स्थानों पर सड़कों का बुरा हाल है। इन सड़कों को दुरुस्त कराना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। दिल्ली में पूर्ववर्ती आप सरकार ने चार अस्पताल बनाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन इसे पूरा नहीं किया जा सकता है। वहीं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर से जुड़ी योजना भी लागू करना होगा।

दिल्ली में जिस प्रकार सार्वजनिक परिवहन की जरूरत बढ़ती जा रही है, उस अनुरूप बसों की संख्या बढ़ानी होगी। दिल्ली में कूड़े के पहाड़ और वायु प्रदूषण बड़ी समस्या रही है। भाजपा इन मुद्दों पर आप पर हमलावर रही है लेकिन अब जब खुद भाजपा सत्ता में आ गई है तो इसके लिए कोई बहाना दिल्ली की जनता को रास नहीं आएगा। वायु प्रदूषण के कारण ना केवल लोगों के स्वास्थ्य प्रभावित हो रहे हैं बल्कि बच्चों के स्कूल बीच सेशन बंद भी कराने पड़ते हैं। भाजपा ने चुनाव के वक्त अपनी पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। रेखा गुप्ता अपनी टीम की छवि कितनी साफ, अहंकारमुक्त एवं पारदर्शी रख पाती हैं, यह भी उनके लिए बड़ी चुनौती होगी। वहीं, आप सरकार में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच कराना भी इसकी जिम्मेदारी होगी। महिलाओं एवं युवाओं के मुद्दों को लेकर भी उन्हें संवेदनशीलता दिखानी होगी। निश्चित ही मुख्यमंत्री का ताज फूलों से ज्यादा कांटोंभरा ताज है, लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रयोगशाला में तपकर निकली रेखा गुप्ता दिल्ली के शासन को एक नई आभा देकर सभी चुनौतियों से पार पायेगी, इसमें सन्देह नहीं है।

संपादकीय

कर्म क्षेत्र का प्रारंभ

अततः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, संघ और भाजपा में विभिन्न पदों पर सक्रिय रहीं शालीमार बाग से पहली बार विधायक बनी, वैश्य समुदाय से आतीं रेखा गुप्ता ने दिल्ली की 9वीं और चौथी महिला मुख्यमंत्री पद की शपथ ले लीं। 10 साल पहले अरविंद केजरीवाल ने हो-हल्ले, भारी ताम-झाम और मोटे-तगड़े वादों के साथ जिन बदलावकारी राजनीति का सपना दिखाया था, वह आधिकारिक तौर पर वह फिलवक्त दिल्ली में समाप्त हो गया। अब देखना यह होगा कि सत्ता के मद में अनेकानेक अवांछित स्थितियों को पैदा करतीं रहने वाली आम आदमी पार्टी विपक्ष में कैसी भूमिका निभाएगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि अपने गिरेबान में झांकेगी, अपनी गलतियों से सबक लेगी और अपने कार्यों और विचारों में तद्नुसार परिवर्तन करेगी। बहरहाल, अब वास्तविक चुनौती भाजपा सरकार के सामने है। दिल्ली में ही नहीं दिल्ली से लगते उत्तर प्रदेश और हरियाणा में भी अब डबल इंजन की सरकार है। पिछले 10 वर्षों में भाजपा की एक ही रट रही है कि दिल्ली के जो भी तात्कालिक संकट हैं, वे आम आदमी पार्टी की गलत नीतियों, भ्रष्ट गतिविधियों और अनावश्यक तौर पर अन्य पर आक्षेप लगाने के कारण है। अब भाजपा की यह ढाल टूट गई है। वह सीधे-सीधे दिल्ली की संकटों की मार में है। सबसे पहले तो उसे अपने मुफ्त के वादे पूरे करने पड़ेंगे जो मोदी की गारंटी के तौर पर उसने किए थे। यानी महिलाओं के लिए 8 मार्च को ही उनके खाते में सम्मान राशि के साथ हर महीने ढाई हजार रुपये और गर्भवती महिलाओं के लिए 21000 रुपये मातृ सुरक्षा वंदना के तहत दिए जाएंगे। उसे तात्कालिक तौर पर बिजली, पानी, सड़क, सीवर , प्रदूषण और कूड़े.जैसी समस्याओं के वादानुसार ठोस हल निकालने पड़ेंगे। यमुना की सफाई वह चुनौती होगी जिस पर उसे तुरंत काम शुरू करना होगा। यह एक भगीरथ कार्य है जो समय भी लेगा, अकूत धन और इच्छाशक्ति भी। एक तरफ अपराधों पर लगाम लगाने की समस्या होगी तो दूसरी तरफ अभ्रष्ट प्रशासन देने की भी। कुल मिलाकर, ये वे समस्याएं हैं जिनके उन्मूलन की बात भाजपा ने की है। अब उसके लिए वाक क्षेत्र से कर्म क्षेत्र में उतरने का काल शुरू हो गया है। इस महाकार्य की सफलता पर केवल दिल्ली का ही नहीं भाजपा का भविष्य भी तय होगा। अन्यथा आप की पैनी तलवार भाजपा पर घातक प्रहार करने से नहीं चूकेगी।

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र

रमेश सर्राफ धमोरा

हम देश में आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 30 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही नईदिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है।

देश में भगदड़ से होने वाली मौतों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके।

भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता या अभाव की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। यह प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। इन दुर्घटना को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर महाकुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है।

भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह पर जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है। भीड़ की वजह से लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है। इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक-दूसरे के बीच दब जाते हैं। जब लोग एक-दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो ह्यफोर्सेज का ट्रांसमिशनह्न यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस किया होगा जब आप एक बहुत भीड़-भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है। ये पहली बार नहीं था जब किसी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मची हो। इसके पहले भी समय-समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी. l14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गयी थी। 13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जश्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

इसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी भगदड़ के कारण कई बड़ी दुर्घटना हो चुकी है। 28 सितंबर 2002 को लखनऊ में बसपा की रैली से वापस घर लौटते समय ट्रेन की छत पर चढ़ने से चार लोगों की करंट लगने से मौत हो गई थी। 13 नवंबर 2004 को नई दिल्ली स्टेशन पर छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले ट्रेन का प्लेटफार्म अचानक बदलने से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ओवरब्रिज पर मची भगदड़ में चार यात्रियों की मौत हुई थी। 03 अक्टूबर 2007 को मुगल सराय जंक्शन पर भगदड़ मचने के कारण 14 महिलाओं की मौत हो गई थी। 10 फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुंभ मेला के दौरान रेलवे जंक्शन पर भगदड़ मचने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। 29 सितंबर 2017 के दिन मुंबई के एलफिंस्टन रेलवे स्टेशन में बने फुटओवर ब्रिज पर भगदड़ मचने के कारण 22 लोगों की मौत हुई थी। हमारे देश में आए दिन जगह-जगह बड़े-बड़े धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक व अन्य कई प्रकार के आयोजन होते रहते हैं। जिनमें हजारों-लाखों लोग शामिल होते हैं। ऐसे ही कार्यक्रमों में जरा सी लापरवाही भगदड़ का कारण बन सकती है। ऐसे में यदि कार्यक्रम के आयोजक सावधानी बरतते हुए भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम करें तभी किसी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सकता है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन व प्रयागराज के महाकुंभ में भी जो भगदड़ की स्थिति पैदा हुई है उसमें प्रशासनिक चूक रही है। एक स्थान पर अधिक भीड़ इकट्ठी होने पर यदि प्रशासन के अधिकारी सतर्कता बढ़ाते तो ऐसी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता था। आगे भी सरकार को चाहिए कि ऐसे किसी भी बड़े आयोजनों के लिए और अधिक पुख्ता व्यवस्था करें। देश में आपदा राहत बल को भी अधिक सशक्त किया जाये ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

चिंतन-मनन

शरीर तो मंदिर है

आस्तिकता और कर्त्तव्यपरायणता की सद्वृत्ति का प्रभाव सबसे पहले सबसे समीपवर्ती स्वजन पर पड़ना चाहिए। हमारा सबसे निकटवर्ती सम्बन्धी हमारा शरीर हैं। उसके साथ सद्व्यवहार करना, उसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है। शरीर को नर कहकर उसकी उपेक्षा करना अथवा उसे सजाने-संवारने में सारी शक्ति खर्च कर देना, दोनों ही ढंग अकल्याणकारी हैं। शरीर हमारा सदा सहायक सेवक है। वह चौबीसों घंटे सोते-जागते हमारे लिए काम करता रहता है। वह अपनी सामर्थ्य भर आज्ञा पालन के लिए तत्पर रहता है।

उसकी पांच ज्ञानेन्द्रियां न केवल ज्ञान वृद्धि का दायित्व उठाती हैं, वरन अपने-अपने ढंग से अनेक रसास्वादन भी कराती रहती हैं। इन विशेषताओं के कारण आत्मा उसकी सेवा-साधना पर मुग्ध हो जाती है और अपना सुख ही नहीं, अस्तित्व तक भूल उसी में रम जाती है। यह घनिष्ठता इतनी सघन हो जाती है कि व्यक्ति आत्मा की सत्ता और आवश्यकता तक भूल जाता है और शरीर को अपना ही आपा मानने लगता है।

ऐसे वफादार सेवक को समर्थ, निरोग एवं दीर्घजीवी बनाए रखना प्रत्येक विचारशील का कर्त्तव्य है। चाहते तो सभी ऐसा ही हैं, पर जो रहन-सहन, आहार-विहार अपनाते हैं, वह विधा ऐसी उल्टी पड़ जाती है कि उसके कारण अपने प्रिय पात्र को अपार हानि उठानी पड़ती है और रोता-कलपता, दुर्बलता से ग्रसित होकर व्यक्ति असमय दम तोड़ देता है। स्वस्थ-समर्थ रहना कठिन नहीं है। प्रकृति के संकेतों का अनुसरण करने भर से यह प्रयोजन सिद्ध हो सकता है। प्रकृति के संदेश-संकेतों को जब सृष्टि के सभी जीवधारी मोटी बुद्धि होने पर भी समझ लेते हैं तो कोई कारण नहीं कि मनुष्य जैसा बुद्धिजीवी उन्हें न अपना सके।

प्रकृति के स्वास्थ्य रक्षा के नियमों के लिए गुरुगम्य ज्ञान की आवश्यकता नहीं। वे सहज समझे और निबाहे जा सकते हैं। उचित-अनुचित का निर्णय करने वाले यंत्र इसी शरीर में लगे हैं, जो तत्काल बात देते हैं कि क्या करना चाहिए, क्या नहीं। आहार-विहार का ध्यान रखने से स्वास्थ्य रक्षा की समस्या हल हो जाती है। आहार प्रमुख पक्ष है, जिसे स्वास्थ्य अनुशासन का पूर्वार्ध कहा जा कसता है। उत्तरार्ध में विहार आता है, जिसका तात्पर्य है नित्य कर्म, शौच, स्नान, शयन, परिश्रम, संतोष आदि। शरीर रूपी मन्दिर

महाकुंभ : आयोजन का श्रेय बनाम कुप्रबंधन की जिम्मेदारी

निर्मल रानी

भारतवर्ष में आयोजित होने वाले सबसे विशाल एवं विराट धार्मिक समागम को कुंभ मेला के नाम से जाना जाता है। यह आयोजन प्रयाग व हरिद्वार में पवित्र गंगा नदी के तट पर, उज्जैन में शिप्रा नदी तथा नासिक में गोदावरी नदी के किनारे किया जाता है। देश दुनिया से आने वाले लाखों श्रद्धालु इन पवित्र नदियों में पौष पूर्णिमा व मकर संक्रान्ति जैसे पावन अवसरों पर स्नान करते हैं। यदि हम आयोजन स्थल की बात करें तो वार्षिक माघ मेला हो या 6 वर्षों के अंतराल में पड़ने वाले अर्ध कुंभ या फिर 12 वर्षों के अंतराल में आयोजित होने वाले पूर्ण कुंभ,सभी आयोजनों के लिये सबसे उपयुक्त, खुला व विशाल स्थान प्रयागराज ही है। यहाँ गंगा-यमुना तथा संगम के दोनों किनारों पर कई किलोमीटर लंबे खुले स्थान हैं जहाँ लाखों श्रद्धालु एक ही समय में सुगमता पूर्वक रुक सकते हैं स्नान कर सकते हैं। परन्तु इस बार सरकार द्वारा इस आयोजन को महाकुंभ के रूप में प्रचारित किया गया तथा यह भी बताया गया कि यह 144 वर्षों बाद आयोजित होने वाला महाकुंभ है। हालांकि इस दावे पर उँगलियाँ उठ रही हैं। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जैसे संत 144 वर्ष बाद के दावे पर यह कहते हुये सवाल उठा रहे हैं कि इससे पहले 2013 व 2001 के कुंभ को भी 144 वर्ष बाद पड़ने वाला महाकुंभ बताया गया था।

इसके अतिरिक्त इस बार का आयोजन जहाँ श्रद्धालुओं का करोड़ों की संख्या में मेले में आवागमन, विदेशी श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में शिरकत , विशिष्ट व्यक्तियों की उपस्थिति,आधुनिकता,उच्चस्तरीय हाई टेक ठहरने की व्यवस्था जैसी अनेक बातों को लेकर चर्चा में रहा वहीं पहली बार यह देखा गया कि स्वयं मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी द्वारा राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री सहित देश के तमाम विशिष्ट जनों को महाकुंभ में आने का न्योता दिया गया। हालाँकि मुख्यमंत्री द्वारा व्यक्तिगत तौर पर लोगों को निमंत्रण देने की कई जगह आलोचना भी हुई। कुछ लोगों का कहना था कि यह धार्मिक आयोजन है इस पर सभी का अधिकार है इसलिये आयोजक के रूप में न्योता देने का कोई अर्थ नहीं है। परन्तु राजनीति के वर्तमान दौर में जबकि बिना कुछ किये ही राजनेता श्रेय लेने को आतुर रहते हैं ऐसे में इतने बड़े आयोजन की भव्यता दिव्यता व सफलता का श्रेय डबल इंजन की सरकारें न लें यह आखिर कैसे हो सकता है। इस महाकुंभ के व्यापक प्रचार प्रसार की गरज से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात के 117वें एपिसोड में महाकुंभ-2025 की विस्तृत चर्चा की गयी। प्रधानमंत्री ने मन की बात में बताया था कि किस तरह संगम तट पर मेले की जोरदार तैयारियां चल रही हैं । साथ ही उन्होंने मेले से पूर्व हेलीकाप्टर से पूरा कुम्भ क्षेत्र देखने के अनुभव को साँझा करते हुये कहा कि- इतना विशाल, इतना सुन्दर, इतनी भव्यता। मोदी ने कहा कि अगर कम शब्दों में कहें तो महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश और दूसरे तरीके से कहूंगा गंगा की अविरल धारा, न बंटे समाज हमारा। और इसी अपील के साथ प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न केवल अपने देश बल्कि पूरे विश्व के श्रद्धालुओं को भी महाकुंभ में आमंत्रित किया। स्वयं मुख्यमंत्री योगी ने दिसंबर माह में 4 बार महाकुंभ का निरीक्षण किया। इसमें भी कोई संदेह नहीं कि 2019 में आयोजित हुये कुंभ मेले की तुलना में इस बार पूरे महाकुंभ मेला क्षेत्र में लगभग प्रत्येक जनोपयोगी सुविधाओं में व्यापक विस्तार किया गया। जाहिर है भारतीय मीडिया भी काफी पहले से महाकुंभ आयोजन का दिन रात प्रचार कर रहा था। सरकार द्वारा टी वी,समाचारपत्र-पत्रकाओं सहित लगभग सभी प्रचार माध्यमों में सैकड़ों करोड़ के विज्ञापन दिए गये थे। हद तो यह है कि बागेश्वर धाम के पंडित धीरेन्द्र शास्त्री सरीखे नाममात्र प्रवचन कताओं द्वारा यह तक कह दिया गया था कि इस महाकुंभ में स्नान न करने वाला देशद्रोही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये सरकार द्वारा हजारों की संख्या में विशेष रेलगाड़ियां,बसें,विमान आदि भी चलाये गये। इस तरह के व्यापक प्रचार प्रसार तथा धार्मिक आस्था के घालमेल में करोड़ों लोगों का प्रयागराज में इकठ्ठा होना तो स्वभाविक था ही।

परन्तु दुर्भाग्यवश इतना विशाल आयोजन प्रयागराज से लेकर दिल्ली तक कुप्रबंधन का शिकार रहा। मेला क्षेत्र में 30 दिन के अंदर अलग अलग क्षेत्रों में पांच बार तो आगजनी की घटनायें घटीं। जबकि पूरे मेला क्षेत्र में 350 से ज्यादा फायर ब्रिगेड, 2000 से अधिक प्रशिक्षित अग्निशामक , 50 अग्निशमन केंद्र और 20 फायर पोस्ट बनाए गए थे साथ ही अखाड़ों और टेंट में अग्नि सुरक्षा उपकरण भी लगाए गए थे। उसके बावजूद यह हादसे पेश आये ? इसी तरह कुंभ मेला क्षेत्र में अनेक बार भगदड़ मची। जिसमें दर्जनों लोग अपनी जान से हाथ धो बैठे। अभी भी कई लोगों को अपने खोये परिजनों की तलाश है। पूरा शहर कई दिनों तक जाम की चपेट में रहा। यहाँ तक कि वी आई पी पास निरस्त करने पड़े और प्रयागराज को नो वेहिकिल जोन तक घोषित करना पड़ा। और आखिरकार श्रद्धालुओं के इस सैलाब ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी भगदड़ का रूप ले लिया। यहाँ भी 14 महिलाओं व 4 पुरुषों की मौत हो गयी। महाकुंभ में न आने वालों को देशद्रोही बताने वाले बागेश्वर के पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने भगदड़ में मरने वालों को लेकर यह विवादित बयान दे दिया कि -जो कोई गंगा किनारे मरेगा वह मरेगा नहीं बल्कि मोक्ष प्राप्त करेगा। इसतरह सरकार को खुश करने के लिये अनेक साधु संतों द्वारा तरह तरह की भ्रामक बातें की गयीं जबकि इन हादसों के लिये सरकार के कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराने वालों को सनातन विरोधी,हिन्दू विरोधी,कांग्रेसी,नकारात्मक सोच रखने वाला कहा जाने लगा। हद तो यह है कि भगदड़ पर सवाल उठाने वाले शंकराचार्य के विरोध में तो सारा संत समाज ही इकठ्ठा हो गया ? शंकराचार्य ने भगदड़ में मृतकों के प्रति हमदर्दी व सरकार की लापरवाही पर ऊँगली क्या उठा दी कि उनके पद को ही चुनौती दी जाने लगी ?

एमसीडी के ट्रक से कुचलकर छात्रा समेत दो लोगों की मौत, चालक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्व जिले के गोविंदपुरी इलाके में गुरुवार सुबह एमसीडी ट्रक ने बाइक पर जा रहे दो लोगों को कुचल दिया।इस हादसे में दोनों की मौत हो गई। इनमें दसवीं कक्षा की एक छात्रा थी, जो भीषण जाम लगने के कारण पिता की कार से उतर कर लिफ्ट लेकर बाइक से परीक्षा देने जा रही थी।वह बाइक सवार के साथ इस हादसे की शिकार हो गई। इस मामले में पुलिस ने आरोपित ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित की पहचान ओखला फेज 2 निवासी जुगल राय के रूप में हुई है।पुलिस ने उक्त मामले में ड्राइवर के हेल्पर ऋषि कुमार को भी हिरासत में लिया है।पुलिस ने ट्रक व क्षतिग्रस्त बाइक को जब्त कर लिया है। दक्षिण पूर्व जिले के डीसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब दस बजे पुलिस को सूचना मिली कि तुगलकाबाद एक्सटेंशन के पास ट्रक ने बाइकसवार दो लोगों को कुचल दिया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि एक बच्ची व एक युवक घायल अवस्था में पड़े हुए थे। पुलिस ने दोनों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान मायरा राज व जावेद खान के रूप हुई। मृतका के पिता मनोज कुमार के अनुसार घटना के वक्त वह अपनी बेटी को कार से स्कूल छोड़ने जा रहे थे।उसका दसवीं कक्षा का पेपर था।घटना स्थल पर जाम लगा हुआ था।मनोज के अनुसार परीक्षा सेंटर में जल्दी पहुंचने के लिए उन्होंने बाइक सवार जावेद से मदद मांगी थी।जावेद उनकी बेटी को बाइक पर बैठाकर कुछ दूर चला ही था,तभी पीछे से एमसीडी के ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में ट्रक का पहिया बाइक सवार के सिर व उनकी बेटी की छाती से गुजर गया। पिता का आरोप हैजाम होने के कारण पुलिसकर्मी एक घंटे बाद आए और एम्बुलेंस भी नहीं पहुंची।

पिटाई का बदला लेने के लिए युवक को चाकू से गोदा, एक नाबालिग समेत दो गिरफ्तार

नई दिल्ली ।पिटाई का बदला लेने के एक युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर नेब सराय क्षेत्र में एक युवक को चाकू से गोद दिया। युवक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।वहीं, मामले में पुलिस ने एक नाबालिग सहित दो आरोपितों पकड़ा है, जबकि अन्य आरोपितों की तलाश में छापेमारी की जा रही है। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि 19 वर्षीय रेहान अपने परिवार के साथ संगम विहार एल ब्लॉक में रहता है। रेहान का करीब एक महीने पहले गुगलू नाम के युवक से झगड़ा हुआ था। रेहान का आरोप है कि गुगलू ने उसकी पिटाई की थी।पुलिस के ने बताया कि 20 फरवरी की शाम को रेहान मस्जिद वाली गली से अपने घर आ रहा था।तभी गुगलू अपने दोस्तों के साथ आया और उसने रेहान पर हमला कर दिया। आरोप है कि आरोपित ने रेहान की छाती में कई बार चाकू से वार किया।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू की

जब रेहान बेसुध हो गया तो आरोपित मौके से फरार हो गए। स्वजन ने रेहान को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने रेहान की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू की।इस दौरान पुलिस ने आरोपित मुफजुल उर्फ गुगलू सहित एक नाबालिग आरोपित को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपितों से वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है। पुलिस वारदात में शामिल अन्य आरोपितों का पता लगाने के लिए छापेमारी कर रही है।

गैंगस्टर हाशिम बाबा की बेगम जोया चलाती थी गैंग, एक करोड़ की हेरोइन के साथ दबोचा

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के कुख्यात गैंगस्टर और फिरौती मांगने वाले हाशिम बाबा की पत्नी जोया खान को स्पेशल सेल की पुलिस ने वेलकम थाने की पुलिस के साथ मिलकर एक करोड़ की हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि जोया का लाइफ स्टाइल बड़ा हाई फाई था। जोया को पेज थ्री पार्टियों में जाने और महंगे कपड़े पहनने का शौक है। बताया जा रहा है उत्तर पूर्वी दिल्ली की पुलिस और स्पेशल सेल काफी समय से जोया को पकड़ने के लिये छापेमारी कर रही थी लेकिन जोया कभी दुबई तो कभी मलेशिया में रह रही थी। लेकिन जब दिल्ली में अपने घर वेलकम जैसे ही जोया आई पुलिस ने रेड करके जोया का पकड़ा।जोया हाशिम बाबा के गैंग को चलती थी, जिसमें नाबालिग से लेकर 100 लड़के है। एसीपी भजनपुरा विनय त्यागी और स्पेशल सेल के ऑफिसर मौके पर पहुंचे और कार्रवाई की।जानकारी के मुताबिक, हाशिम बाबा पर हत्या, लूट, जबरन वसूली और आर्म्स एक्ट के दर्जनों मामले दर्ज हैं।वह दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। जोया उसकी तीसरी पत्नी है।जो हाशिम बाबा के अवैध धंधों को संभाल रही थी, वह ड्रग्स सिंडिकेट का भी अहम हिस्सा थी। पुलिस जब भी जोया को पकड़ने के लिए जाल बिछाती तो जोया उनके हाथ से निकल जाती थी। लेकिन इस बार पुलिस को कामयाबी मिली और जोया को पकड़ लिया गया।

दिल्ली के संगम विहार में युवक पर चाकू से हमला, नाबालिग समेत दो पकड़े गए

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के संगम विहार इलाके में 19 वर्षीय लड़के पर चाकू से हमला किया गया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।अधिकारी ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार को हुई जब संगम विहार निवासी रेहान पर एक किशोर समेत तीन लोगों ने हमला किया। उन्होंने बताया कि रेहान के बयान के अनुसार, करीब एक महीने पहले गुगलू के साथ उसका झगड़ा हुआ था, जिसके दौरान उसने युवक की पिटाई कर दी थी। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार को जब रेहान मस्जिद वाली गली में गया तो गुगलू और दो अन्य लोगों ने उससे भिड़कर उस पर हमला कर दिया और मारपीट शुरू कर दी।उन्होंने बताया कि हमले के दौरान उनमें से एक ने रेहान के सीने में चाकू घोंप दिया। नेब सराय पुलिस थाने में चाकू मारने की सूचना देने वाली एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई और रेहान को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि उनके बयान और प्रारंभिक जांच के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में हुआ एबीवीपी का 60वां प्रांत अधिवेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) दिल्ली प्रांत के 60वें प्रांत अधिवेशन का शुभारंभ शुक्रवार को गुरु गोविन्द सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में हुआ। उद्घाटन सत्र में वरिष्ठ पत्रकार रुबिका लियाकत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। जिन्होंने छात्रों को राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में एबीवीपी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान, राष्ट्रीय मंत्री शिवांगी खरवाल, प्रांत अध्यक्ष तपन बिहारी, प्रांत मंत्री सार्थक शर्मा रहे। इसके अतिरिक्त, 600 से भी अधिक सहभागी रहे प्रतिनिधियों द्वारा शोभा यात्रा निकाली गई। समाज, शिक्षा और राष्ट्रीय हित से जुड़े विषयों पर परिचर्चाएं आयोजित की गईं।

कार्यक्रम में अपने संबोधन में मुख्य अतिथि रुबिका लियाकत ने कहा कि एबीवीपी एक ऐसा मंच है, जो निडर और आदर्श नेतृत्व को तैयार करता है। इसी संगठन से निकलकर कई विद्यार्थी शीर्ष पदों तक पहुंचे हैं, जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण दिल्ली की वर्तमान मुख्यमंत्री बनीं है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार एक कुम्हार गीली मिट्टी को आकार देकर घड़ा बनाता है, उसी तरह एबीवीपी छात्रों को एक अच्छे नागरिक के रूप में गढ़कर मां भारती की सेवा के लिए तैयार करता है। इस बीच एबीवीपी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान ने कहा कि एबीवीपी केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि एक आंदोलन है जो राष्ट्रवादी चिंतन और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए युवाओं को प्रेरित करता है। उन्होंने शिक्षा नीति, तकनीकी विकास और युवाओं की सामाजिक भागीदारी पर जोर देते हुए छात्रों से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इसी क्रम में एबीवीपी दिल्ली के प्रांत मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि एबीवीपी का यह प्रांत अधिवेशन केवल एक वार्षिक आयोजन नहीं बल्कि छात्र शक्ति को एकजुट कर समाज की आवश्यकताओं को समझने और राष्ट्र पुनर्निर्माण में योगदान देने का एक प्रभावी मंच है। विगत वर्ष में एबीवीपी दिल्ली की सदस्यता 67659 हुई है, जो कि पिछ्ले वर्षों के तुलना में सर्वाधिक है निश्चित ही विद्यार्थी परिषद से जुड़ने के लिए विद्यार्थी आतुर हैं। अधिवेशन के दौरान आए प्रस्तावों को पारित कर दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार को भी प्रेषित किया जाएगा, ताकि छात्र हित और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर प्रभावी कार्य हो सके।

रेखा गुप्ता, प्रवेश साहिब सिंह ने की धनखड़ से शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली।दिल्ली की नवनियुक्त मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शुकवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से शिष्टाचार भेंट की। उप राष्ट्रपति सचिवालय ने यहां यह जानकारी दी। श्रीमती गुप्ता सुबह उपराष्ट्रपति निवास पहुंची और श्री धनखड़ से मुलाकात की।उनके साथ दिल्ली के लोक निर्माण विकास, संसदीय मामले, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, जल और गुरुद्वारा चुनाव मंत्री प्रवेश साहिब सिंह भी थे। सचिवालय ने इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया है।इस अवसर श्री धनखड़ की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ भी मौजूद रही।पद ग्रहण करने के बाद श्रीमती गुप्ता और श्री सिंह की श्री धनखड़ से पहली मुलाकात थी।

'आप' सरकार ने शपथ ग्रहण समारोह के विज्ञापन पर खर्च किये थे कर दाताओं के 4.52 करोड़ रुपये : सचदेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली प्रदेश इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी (आप) और पूर्ववर्ती सरकार पर निजी प्रचार के लिए सरकारी निधि का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि 'आप' सरकार ने वर्ष 2020 में शपथ ग्रहण समारोह के विज्ञापन के लिए कर दाताओं के 4.52 करोड़ रुपये खर्च किये थे। श्री सचदेवा ने आज यहां पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में अब श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बन गयी है। नई सरकार के गठन के साथ ही यह स्पष्ट तौर पर दिखायी देने लगा है कि सुशासन और कुशासन में क्या अंतर होता है।आप सभी ने देखा होगा कि शपथ ग्रहण समारोह को लेकर विभिन्न अखबारों में विज्ञापन दिये गये थे। इसी तरह से शपथ ग्रहण समारोह को लेकर वर्ष 2020 में भी अखबारों और रेडियो में विज्ञापन दिये गये थे। उन्होंने कहा, ''मौजूदा शपथ ग्रहण समारोह और वर्ष 2020 में शपथ ग्रहण समारोह को लेकर दिये गये विज्ञापन में अंतर यह है कि मौजूदा समय के विज्ञापन का खर्च दिल्ली भाजपा ने उठाया है, जबकि वर्ष 2020 में शपथ ग्रहण समारोह के लिए विज्ञापन का खर्च दिल्ली सरकार ने वहन किया था, जो दिल्ली के कर दाताओं के थे।' श्री सचदेवा ने कहा कि वर्ष 2020 में 'आप' सरकार ने शपथ ग्रहण समारोह के विज्ञापन पर 4.52 करोड़ रुपये खर्च किये थे। उन्होंने कहा, ÷भाजपा ने सरकार बनाई है, इसलिए मुझे उम्मीद थी कि आपको पहले दिन से ही बदलाव महसूस होगा। आपको सुशासन और कुशासन के बीच का अंतर पता चल गया होगा। आपने देखा होगा कि शपथ ग्रहण समारोह के लिए दिल्ली के अखबारों में विज्ञापन प्रकाशित किए गए थे। ये विज्ञापन भाजपा द्वारा जारी किए गए थे, सरकार द्वारा नहीं, यानी ये करदाताओं के पैसे से नहीं छपे थे।'

सीएम रेखा गुप्ता ने की जल और पीडब्ल्यूडी बोर्ड की बैठक, कहा- सभी वादे होंगे पूरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की सत्ता संभालने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को जल बोर्ड और पीडब्ल्यूडी बोर्ड की बैठक की। उन्होंने बैठक के बाद कहा कि प्लान तैयार किया जा रहा है और सभी वादों को पूरा करने के लिए काम हो रहा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मीडिया से बात करते हुए कहा, ÷आज जल बोर्ड और पीडब्ल्यूडी बोर्ड के साथ बैठक हुई है। सभी प्लान पर काम किया जा रहा है और हमारी सरकार ने जो भी वादे किए हैं, उन्हें पूरा किया जाएगा।÷

वहीं, दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने मोहल्ला क्लीनिक के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मैंने मोहल्ला क्लीनिक को लेकर सारी रिपोर्ट मांगी है। यह भी पूछा गया है कि कितने मोहल्ला क्लीनिक रेंट पर चल रहे हैं और कितने दिल्ली सरकार की प्रॉपर्टी पर स्थापित हैं। उन्होंने बताया कि मोहल्ला क्लीनिक से जुड़ी हर एक बात की रिपोर्ट मांगी गई है।

उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार आयुष्मान योजना को लागू करने के लिए वचनबद्ध है। साथ ही सभी मोहल्ला क्लीनिक का नाम भी बदला जाएगा, क्योंकि यह सरकार की योजना है। मुझे उम्मीद है कि दिल्ली आने वाले 100 दिनों में बदलती हुई दिखाई देगी। साथ ही दिल्लीवासियों को शुद्ध पानी भी मुहैया कराया जाएगा।'

इससे पहले गुरुवार को आयुष्मान योजना को मंजूरी दी गई थी। इस योजना को मंजूरी मिलने पर दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि हम आयुष्मान योजना को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वह फाइल जो केंद्र सरकार को भेजी गई थी, अब वापस आ गई है। अगले सप्ताह तक आयुष्मान योजना को लागू करने का प्रयास किया जाएगा।

दिल्ली की सत्ता संभालने के बाद रेखा सरकार एक्शन मोड में है। दिल्ली सरकार ने 553 मौजूदा मोहल्ला क्लीनिक को 'शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर' (यू-एएएम) में अपग्रेड करने का फैसला किया है। इसके अलावा दिल्ली की गरीब महिलाओं को 500 रुपए की दर पर सालाना 10 गैस सिलेंडर और होली-दीपावली पर दो मुफ्त गैस सिलेंडर देने का निर्णय लिया गया है।

24 फरवरी से दिल्ली सरकार ने बुलाया विशेष विधानसभा सत्र, कैग रिपोर्ट होगी पेश

नई दिल्ली। दिल्ली की नवगठित भाजपा सरकार ने 24 फरवरी से तीन दिन का विशेष विधानसभा सत्र बुलाया है। इस सत्र में सभी नवनिर्वाचित विधायक शपथ लेंगे, जबकि पांच साल से लंबित कैग की 14 रिपोर्ट भी पेश की जाएगी। कथित शराब घोटाले पर भी रिपोर्ट पटल पर रखी जाएगी। शपथ ग्रहण समारोह के बाद दिल्ली में नई भाजपा सरकार की पहली कैबिनेट बैठक गुरुवार को सीएम रेखा गुप्ता की अगुवाई में हुई। बैठक में सीएजी की रिपोर्ट पर चर्चा हुई। अगले सप्ताह दिल्ली विधानसभा का पहला सत्र होगा और इस सत्र में 14 सीएजी रिपोर्ट पेश की जाएंगी। इसके साथ ही कैबिनेट ने आयुष्मान भारत योजना को भी मंजूरी दी है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली बंपर जीत के बाद पीएम मोदी ने 8 फरवरी को भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने पिछली सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करने का संकेत दिया था। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ये 'आपदा' लोग अपने घोटालों को छिपाने के लिए हर दिन नई साजिश रचते थे, लेकिन अब दिल्ली का जनादेश मिल गया है। मैं गारंटी देता हूं कि सीएजी रिपोर्ट पहले ही विधानसभा सत्र में पेश की जाएगी। भ्रष्टाचार के हर तार की जांच होगी और जिसने भी लूटा है, उसको लौटाना पड़ेगा।'

ईडी अधिकारी बनकर लोगों को ठगने वाले मास्टरमाइंड समेत दो गिरफ्तार, पीड़ित की इस चाल से आरोपी अरेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडी अधिकारी बनकर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए क्राइम ब्रांच की टीम ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपित शातिर किस्म के बदमाश हैं जो ईडी अधिकारी बन लोगों को डरा धमकाकर उनसे मोटे पैसे एंठते थे। इनकी पहचान मालवीय नगर निवासी इकबाल कुरैशी जो पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है और मालवीय नगर थाने का बीसी है। वहीं अन्य की पहचान कालकाजी निवासी अरुण लाल उर्फ अंकित के रूप में हुई है जो कालकाजी थाने में सनसनीखेज मां-बेटी की हत्या में शामिल रहा है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) संजय कुमार सैन के मुताबिक, बीते वर्ष 22 अक्टूबर की शाम सात व्यक्तियों का एक समूह महरौली में एक फार्महाउस में घुसा और खुद को ईडी अधिकारी बताया। आरोपितों ने वहां मौजूद सभी लोगों के मोबाइल फोन जब्त किए और किसी के भी परिसर से बाहर जाने पर रोक लगा दी। छापेमारी करने की आड़ में, उन्होंने शिकायतकर्ता से उसके बैंक खाते से बड़ी मात्रा में नकदी निकासी के बारे में पूछताछ की। आरोपितों ने गिरफ्तारी की धमकी देते हुए 20 करोड़ रुपये की। इस पर सहमति जताते हुए शिकायतकर्ता ने पैसे का इंतजाम करने के लिए बैंक जाने को कहा।

अगले दिन दो आरोपित उसके साथ हौज खास स्थित एक बैंक में गए, जहां मौके का फायदा उठाते हुए शिकायतकर्ता ने व्हाट्सएप के जरिए अपने मैनेजर और वकील को सूचित किया, जिन्होंने ईडी कार्यालय से किसी भी तरह की छापेमारी से इनकार किया। जब शिकायतकर्ता ने बैंक में एक आरोपित से उसकी आइडी मांगी तो धोखेबाजों को शक हुआ और वे भाग गए। इसके साथ ही उनके साथी फार्महाउस से भी फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

आरोपितों को पकड़ने के लिए इंस्पेक्टर विजय पाल दहिया के नेतृत्व में टीम गठित की गई, जिन्होंने अपराध से जुड़े मोबाइल नंबर के आधार पर एक आरोपित इकबाल कुरैशी की पहचान की। यह भी पता चला कि इकबाल प्रिंस तेवतिया गिरोह का सदस्य है। 19 फरवरी को गुप्त जानकारी पर कार्रवाई करते हुए टीम ने दिल्ली के गांव-खिजराबाद में छापेमारी करते हुए इकबाल कुरैशी और अरुण लाल उर्फ अंकित को गिरफ्तार कर लिया।

गिरोह का मास्टरमाइंड है इकबाल

पूछताछ में पता चला कि इकबाल गिरोह का मास्टमाइंड था और शिकायतकर्ता से पहले से परिचित था। उसने अपने सहयोगी लकी के साथ मिलकर फर्जी ईडी छापा मारा। इस मामले में लकी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। हौज खास बैंक के सीसीटीवी फुटेज से इकबाल की पहचान हुई और उसे और उसके एक साथी को गिरफ्तार किया गया।

कई जघन्य अपराधों में शामिल रहे हैं आरोपित

इकबाल कुरैशी मालवीय नगर का रहने वाला है और उसके खिलाफ झपटमारी, डकैती, आर्म्स एक्ट उल्लंघन और दुष्कर्म सहित 30 से अधिक मामले दर्ज हैं। वह मालवीय नगर थाने में का बीसी है। वहीं अरुण लाल पहले भी कालकाजी थाने में दर्ज एक सनसनीखेज हत्या के मामले में शामिल रहा है। इस मामले में मां और बेटी की हत्या कर दी गई थी। वह फिलहाल जमानत पर बाहर है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

दिल्लीवासियों को 500 रुपये की दर से साल में मिलेंगे 10 गैस सिलेंडर, मनजिंदर सिंह सिरसा की पहली बैठक में हुआ विर्मश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में भाजपा सरकार के गठन के बाद दिल्लीवासियों को बड़ी राहत मिली है। भाजपा सरकार ने दिल्लीवासियों को बड़ी राहत देते हुए 500 रुपये की दर पर सालाना 10 गैस सिलेंडर और होली व दीपावली पर दो मुफ्त गैस सिलेंडर देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।

दिल्ली के नागरिक एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा की पहली बैठक में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई कि इस संबंध में अगले दो दिन में बैठक बुलाई गई है। इस योजना को लागू करने के लिए अगले दो दिनों में एक और बैठक बुलाने का निर्णय लिया है।

दरअसल, दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने दिल्ली की जनता से यह वादा किया था। अब, सबकी नजरें अगली बैठक पर हैं। मंत्री सिरसा ने इस योजना के जरिए दिल्लीवासियों को राहत देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। यह खासकर उन परिवारों के लिए फायदेमंद होगा, जो गैस सिलेंडर की बढ़ी हुई कीमतों से परेशान हैं। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को दिल्ली में नई सरकार का गठन हुआ। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली के रामलीला मैदान में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनके कैबिनेट सहयोगियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्री भी उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापस लौटी है। वहीं, सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी के बाद रेखा गुप्ता चौथी महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी की बंदना कुमारी को 29,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराया था।

इससे पहले गुरुवार को आयुष्मान योजना को मंजूरी दी गई थी। इस योजना को मंजूरी मिलने पर दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि हम आयुष्मान योजना को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वह फाइल जो केंद्र सरकार को भेजी गई थी, अब वापस आ गई है। अगले सप्ताह तक आयुष्मान योजना को लागू करने का प्रयास किया जाएगा। मोहल्ला क्लीनिक में जो अनियमितताएं हैं, उनकी जानकारी मांगी गई है। दिल्ली सरकार के बड़े-बड़े हॉस्पिटलों की स्थिति का जायजा लेने के लिए मैं वहां दौरा करने जा रहा हूं। मैं शनिवार सुबह 10 बजे अपने सांसद के साथ आरटीआर का दौरा करूंगा।

पीएम मोदी के वादों को रेखा गुप्ता ने किया झूठा साबित : आतिशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण वादा किया था जो रेखा गुप्ता ने झूठा साबित कर दिया है।

आतिशी ने कहा कि पीएम मोदी ने कहा था कि भाजपा सरकार बनने के बाद दिल्ली की हर महिला के बैंक खाते में 8 मार्च तक ढाई हजार रुपए पहुंचेंगे। इसके अलावा, मोदी जी ने यह भी दावा किया था कि पहली कैबिनेट बैठक में ही इस योजना को मंजूरी दी जाएगी। उन्होंने दिल्ली की महिलाओं से अपील की थी कि वे अपने बैंक खाते को अपने फोन नंबर से लिंक करें, ताकि उन्हें यह राशि सीधे उनके खाते में मिल सके।

आतिशी ने आगे कहा कि हालांकि, जब 17 जनवरी 2025 को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने महिला समृद्धि योजना की घोषणा की, तो यह वादा और भी स्पष्ट हुआ। जेपी नड्डा ने कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र में यह वादा किया गया है कि हर महिला को ढाई हजार रुपए दिए जाएंगे। लेकिन दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के शपथ ग्रहण के बाद हुई पहली कैबिनेट बैठक में यह प्रस्ताव पास नहीं हुआ।

आतिशी ने कहा कि रेखा गुप्ता ने 20 फरवरी 2025 को दिल्ली सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में महिला समृद्धि योजना को पारित नहीं किया। यह योजना पीएम मोदी के वादे के विपरीत साबित हुई, जिससे यह सवाल उठने लगा कि क्या मोदी जी की गारंटी सिर्फ एक जुमला थी। सीएम ने इस फैसले के बाद मोदी जी के वादे को झूठा साबित कर दिया और साबित कर दिया कि यह वादा सिर्फ चुनावी वादा था।

आतिशी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली की महिलाओं से कई बार वादा किया था कि उनकी सरकार बनने के बाद पहला काम महिलाओं को ढाई हजार रुपए देने की योजना को लागू करना होगा। लेकिन रेखा गुप्ता ने यह दिखा दिया कि पीएम मोदी के वादे केवल बयानबाजी तक सीमित थे, और उनकी गारंटी को पूरी दिल्ली के सामने झूठा साबित कर दिया। अब, यह सवाल उठता है कि क्या 8 मार्च तक दिल्ली की महिलाओं के खाते में ढाई हजार रुपए पहुंचेंगे, जैसा कि मोदी जी ने वादा किया था।

आतिशी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से यह पूछा जा रहा है कि क्या वह फिर से पीएम मोदी को झूठा साबित करेंगी या महिला समृद्धि योजना को लागू करेंगी। दिल्ली की महिलाओं का अब यह सवाल है कि मोदी जी के वादों का क्या हुआ, और क्या वे वादे जो चुनावी प्रचार का हिस्सा थे, असल में कभी पूरे होंगे या नहीं।

इजराइल गये हजारों भारतीयों से मजदूरी

हैदराबाद । भारत से सिविल इंजीनियरिंग कंस्ट्रक्शन सेरेमिक टाइल्स एक्सपर्ट और फर्नीचर इत्यादि काम के लिए जो कारीगर इजराइल गए थे। वहां पर उनसे मजदूरी का काम लिया जा रहा है। अच्छी सैलरी देने का लालच देकर इन्हें इजराइल ले जाया गया था। वहां पर इनसे मजदूर वाला काम कराया जा रहा है। बहुत कम मजदूरी दी जा रही है। जो सुविधाएं दी जानी चाहिए थी वह भी नहीं दी जा रही हैं। तेल अबीब स्थित इजराइल तेलंगाना संगठन के अध्यक्ष सोमा रवि ने हमास युद्ध के बीच भारत से जिन कामगारों को इजराइल ले जाया गया था। उनसे मजदूरी वाला काम लिया जा रहा है।अभी तक भारत से 10000 से ज्यादा कामगार इजराइल गए हैं। इनमें 2000 से अधिक तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कामगार हैं।जो इजराइल जाने के बाद से परेशान हैं। जिस काम के लिए इन्हें बुलाया गया था। उसके स्थान पर इनसे मजदूरी कराई जा रही है।

धर्मेंद्र प्रधान ने सीएम स्टालिन को याद दिलाया पीएम मोदी का बयान, तमिल भाषा शाश्वत है

नई दिल्ली । ट्राई लैंग्वेज विवाद पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन को पत्र लिखा। उन्होंने राज्य में हो रहे नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) के विरोध की आलोचना की। केंद्रीय मंत्री ने अपने पत्र में किसी भी भाषा को थोपने का सवाल नहीं है। लेकिन विदेशी भाषाओं पर अत्यधिक निर्भरता खुद की भाषा को सीमित करती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) इसे ही ठीक करने का प्रयास कर रही है। एनईपी भाषा की स्वतंत्रता को कायम रखती है और यह सुनिश्चित करती है कि छात्रा अपनी पसंद की भाषा सीखना जारी रखें। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने अपने पत्र में मई 2022 में चेन्नई में पीएम मोदी के तमिल भाषा शाश्वत है के बयान का जिक्र कर लिखा कि मोदी सरकार तमिल संस्कृति और भाषा को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने और लोकप्रिय बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मैं अपील करता हूं कि शिक्षा का राजनीतिकरण न करें।

रेलवे का एक्स को नोटिस, रेलवे स्टेशन भगदड़ वाले वीडियो लिंक हटाएं

नई दिल्ली । नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी को हुई भगदड़ में 18 लोगों की मौत हुई थी। मामले में अब तक जांच रिपोर्ट नहीं आई है, लेकिन रेलवे ने एक आदेश जारी किया है। रिपोर्ट के अनुसार रेल मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को नोटिस जारी कर 288 वीडियो लिंक हटाने का निर्देश दिया है। रेल मंत्रालय ने 17 फरवरी को यह नोटिस भेजकर घटना से जुडे सभी वीडियो लिंक हटाने का निर्देश दिया था। रेलवे ने तर्क देकर कहा कि इस तरह के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर होने से कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा हो सकती है। दरअसल दिसंबर में प्रत्यक्ष रूप से वीडियो हटाने का अधिकार मिलने के बाद कंटेंट को लेकर यह मंत्रालय की पहली बड़ी कार्रवाई है। हालांकि इस तरह का यह दूसरा मामला है। इससे पहले जनवरी में ही यूट्यूब और इंस्टाग्राम को भेजे गए नोटिस में भ्रामक और संवेदनशील-भड़काऊ जानकारी वाले कंटेंट को लेकर सख्ती दिखाई गई थी।

संभल हिंसा मामले में एक महिला को 1 लाख के मुचलके पर रिहाई मिली

संभल। संभल हिंसा के दौरान हुई पत्थरबाजी के आरोप में जेल में बंद एक महिला को रिहा किया है। कोर्ट ने साक्ष्य ना होने के अभाव में 1 लाख रुपये के मुचलके पर रिहा किया है। जबकि, इसके अलावा जेल में बंद 79 आरोपियों में से किसी और की जमानत नहीं मिली है। दरअसल, 24 नवंबर 2024 की हिंसा में शामिल चार महिलाओं सहित 80 आरोपियों को संभल पुलिस गिरफ्तार कर जेल में डाल चुकी है। इसमें चार महिलाओं को पत्थरबाजी के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। जेल में बंद आरोपी फरहाना की जमानत के लिए वकीलों के द्वारा पैरवी की जा रही थी। बीते दिन चंदौसी स्थित सीजेएम कोर्ट ने फरहाना के खिलाफ साक्ष्य न होने के अभाव में एक लाख रुपये के मुचलके पर रिहा करने का आदेश जारी कर दिया। वकील गनी अनवर ने बताया कि हिंसा के मामले में फरहाना को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद हमारी ओर से महिला के निर्दोष होने की जानकारी देकर प्रार्थना पत्र पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को दिया गया था। मामले में पुलिस और प्रशासन की तरफ से निष्पक्ष जांच करने का आश्वासन मिला था। जांच पूरी होने के साथ ही महिला के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं मिले, जिसपर प्रशासनिक स्तर पर महिला को रिहा किया गया।

बच्ची का यौन शोषण कर प्रिंसिपल, लो 20 रुपये... मुंह बंद रखना

-बच्ची की दादी ने प्रिंसिपल की कर दी चप्पल से पिटाई

जमुई । बिहार के जमुई के एक सरकारी स्कूल से शर्मसार कर करने वाली खबर आई है। यहां एक स्कूल के प्रिंसिपल पर दूसरी कक्षा की छात्रा को गलत तरह से छूने का आरोप लगा है। जमुई में सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल शमशेर आलम ने एक छात्रा को 20 रुपये का लालच देकर उसके साथ यौन शोषण किया। बच्ची के अनुसार आरोपी ने कहा कि ये लो 20 रुपये, अपना मुंह बंद रखना। इसके बाद बच्ची सदमे में आई और स्कूल जाना बंद किया। इसके बाद बच्ची के परिजनों ने जब स्कूल न जाने की वजह जानने की कोशिश की तब बच्ची ने रोते हुए मम्मी से स्कूल के प्रिंसिपल की पूरी करतूत बता दी। ये मामला नवीन प्राथमिक मकतब, खपरिया विद्यालय का है। घटना का जानकारी के बाद स्कूल परिसर में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई और सभी प्रिंसिपल का विरोध करने लगे। इतना ही नहीं बच्ची की दादी का गुस्सा को आलम की करतूत को लेकर सातवें आसमान पर था। उन्होंने शमशेर आलम की चप्पल से पिटाई कर दी। घटना को लेकर ग्रामीणों में काफी गुस्सा है। उन्होंने थाने में लिखित शिकायत की है। बच्ची के साथ अश्लील हरकत और छेड़खानी के मामले में पुलिस ने आलम को गिरफ्तार कर जमुई जेल भेज दिया।

दिल्ली में नई सरकार के सामने हैं ढेरों चुनौतियां, बिगड़ा है बजट

-सीएम रेखा ने ली कैबिनेट बैठक, वादों को पूरा करने बनाई रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बीजेपी की नई सरकार ने शपथ लेने के कुछ घंटों बाद ही अपनी पहली कैबिनेट बैठक की। दिल्ली सीएम बनी रेखा गुप्ता की सरकार के सामने ढेरों चुनौतियां हैं। इस बैठक में प्रदूषण, यमुना सफाई, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, सड़कें और पानी जैसी बुनियादी समस्याओं पर बातचीत हुई। साथ ही चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने की रणनीति भी बनाई गई। सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती दिल्ली का खस्ताहाल बजट है।

दिल्ली में मुफ्त बिजली, पानी और महिलाओं के लिए बस यात्रा जैसी योजनाओं पर पहले से ही भारी खर्च हो रहा है। डीटीसी और दिल्ली जल बोर्ड को भी बड़ी धनराशि अनुदान के रूप में दी जाती है। पिछली आम आदमी पार्टी की सरकार ने कई खर्चों को पूरा करने के लिए 10 हजार करोड़ रुपए का कर्ज भी लिया था। वित्त विभाग ने इसके दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर आपत्ति जताई थी, लेकिन फिर भी यह कर्ज लिया गया। एक अधिकारी के मुताबिक मौजूदा योजनाओं और नए चुनावी वादों को पूरा करने के लिए सरकार को सालाना कम से कम 24 हजार करोड़ रुपए की जरूरत होगी। वित्त विभाग ने कई बार राज्य सरकार को खराब होती वित्तीय स्थिति से अवगत कराया था। जल बोर्ड के खातों के विशेष ऑडिट की घोषणा के अलावा वित्त विभाग ने करीब 38 लाख महिलाओं को प्रति माह एक हजार रुपए की वित्तीय सहायता देने के सरकार के फैसले पर भी आपत्ति जताई थी। हालांकि दिल्ली का राजस्व टैक्स और गैर-टैक्स स्रोतों से सालाना 9-10 फीसदी की दर से बढ़ रहा है, लेकिन अधिकारियों का मानना है कि केवल केंद्र सरकार का अनुदान ही नए खर्चों को पूरा कर सकता है।

दिल्ली की हवा को स्वच्छ बनाना नई सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक है। सर्दियों से पहले ही इस पर काम शुरू करना होगा, क्योंकि सर्दियों में प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। 2023 तक दिल्ली में पीएम2.5 और पीएम10 के स्तर में लगातार गिरावट आई, लेकिन 2024 में यह ट्रेंड टूट गया। 2024 में पीएम10 की वार्षिक औसत सांद्रता राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक से 3.5 गुना और डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइन से 14 गुना ज्यादा थी। शहर में स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर प्रदूषण को कम करने के लिए बड़े कदम उठाने होंगे। दिल्ली को शहर और आसपास के क्षेत्रों में रीयल-टाइम या दैनिक स्रोत-विभाजन अध्ययन की जरुरत है।

बीजेपी सरकान ने यमुना के पानी को इतना साफ करने का लक्ष्य रखा है कि तीन साल में कोई भी इसमें बिना किसी बीमारी के डुबकी लगा सके। पीएम नरेंद्र मोदी ने खुद यमुना की सफाई का वादा किया है, इसलिए यह एक बड़ी चुनौती है। अब केंद्र और हरियाणा दोनों राज्यों में बीजेपी की सरकारें हैं, इसलिए नई दिल्ली सरकार संसाधनों की कमी या अपस्ट्रीम प्रदूषण को बहाना नहीं बना सकती है। नई कैबिनेट के शपथ लेने से पहले ही, केंद्र ने दिल्ली एलजी वीके सक्सेना के जरिए से जो पहले एक उच्चस्तरीय यमुना समिति का नेतृत्व करते थे, कचरा हटाने के लिए फ्लोटिंग क्रेन और ट्रॉमेल मशीनों को तैनात करने जैसे कदम उठाए हैं।

एमसीडी ओखला, गाजीपुर और भलस्वा में तीन बड़े लैंडफिल को समतल करने के लिए संघर्ष कर रही है, जहां 160 लाख टन से जयादा पुराना कचरा पड़ा हुआ है और 3,000-3,500 टन ताजा कचरा रोजाना डाला जाता है। 2019 में एनजीटी ने कचरे के ढेर से पैदा हुई गंदगी पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। एमसीडी ने 2020 में तीन लैंडफिल पर बायोमाइनिंग कार्यों का पहला चरण शुरू किया। केंद्रीय शहरी मामलों के मंत्रालय ने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत इस उद्देश्य के लिए 1,395.6 करोड़ रुपए आवंटित किए। भलस्वा को छोड़कर ओखला और गाजीपुर में पुराने कचरे के टारगेट को पूरा नहीं किया जा सका है। एमसीडी की स्थायी समिति के गठन न होने के कारण बायोमाइनिंग

के दूसरे चरण की प्रक्रिया अटक गई है। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद ही स्थायी समिति की शक्ति नगर आयुक्त को सौंपी ताकि 18 महीनों में लैंडफिल पर 80 लाख टन पुराने कचरे को हटाने के लिए नए सिरे से निविदाएं जारी की जा सकें।

दिल्ली के तीन अस्पताल रघुबीर नगर में गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल, मंगोलपुरी में संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल और मोती नगर में आचार्य श्री भिक्षु अस्पताल शहर के स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे में 16,186 बेड जोड़ सकते हैं, लेकिन इन परियोजनाओं का काम धन की कमी के चलते नहीं हो सका है। इन अस्पतालों को अगले तीन सालों में पूरा करने के लिए अनुमानित 10,250 करोड़ रुपए की जरुरत है। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह 2024-25 वित्तीय वर्ष में इन सुविधाओं को पूरा करना सुनिश्चित करे।

भाजपा का आरोप, राहुल गांधी और कांग्रेस की जांच होनी चाहिए, क्या 21 मिलियन डॉलर के लाभार्थी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत को मतदान के लिए 21 मिलियन डॉलर भेजने के बयान पर देश में हंगामा मचा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने निशाना साधकर राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की जांच की बात कही है। बीजेपी प्रवक्ता भंडारी ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार कहा है कि भारत में मतदान के लिए 21 मिलियन डॉलर खर्च किए गए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे किक बैक स्कीम (रिश्वत योजना) कहा। यह पता लगाने के लिए जांच जरूरी है कि क्या राहुल गांधी और कांग्रेस इकोसिस्टम इस किकबैक स्कीम का लाभार्थी था! इसके अलावा बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने भी लिखा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मतदान के लिए भारत को 21 मिलियन डॉलर भेजने की बात कहने के एक दिन बाद, इस आरोप को फिर से दोहराया है। यही नहीं, वह इससे बांग्लादेश को भेजे गए 29 मिलियन डॉलर से भ्रमित नहीं कर रहे हैं। इस बार, ट्रंप ने अपने बयान में रिश्वत का भी उल्लेख किया है। अनिवार्य रूप से, इस पैसे का उपयोग डीप स्टेट एसेट्स को बनाए रखने के लिए भी किया जाता है जो इसतरह के खुलासों को बचाने और पलटने का काम करते हैं। हम अब भारत में भी यही पैटर्न होते हुए देख रहे हैं। बता दें कि ट्रंप ने कहा था, भारत में मतदान के लिए 21 मिलियन डालर। हम भारत में मतदान की परवाह क्यों कर रहे हैं? हमारे पास पहले से ही बहुत सी समस्याएं हैं। हम अपनी समस्याओं को सुलझाना चाहते है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि इतना सारा पैसा भारत जा रहा है?

मायावती का पलटवार, हमे ज्ञान देने की वजाय अपने गिरेबान में झांकें राहुल गांधी

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांग्रेस को भाजपा की बी टीम बता दिया है। सोशल मीडिया पोस्ट में बसपा सुप्रीमो ने सांसद राहुल गांधी को अपने गिरेबान में झांकने की नसीहत दे डाली है।

उन्होंने लिखा, कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार बीजेपी की बी टीम बनकर चुनाव लड़ा, यह एक आम चर्चा है, इसकारण दिल्ली में बीजेपी सत्ता में आ गई है। वरना दिल्ली चुनाव में कांग्रेस का इतना बुरा हाल नहीं होता कि यह पार्टी अपने ज्यादातर उम्मीदवारों की जमानत भी न बचा सके। इसके बाद कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी को किसी भी मामले में दूसरों पर और खासकर बीएसपी की प्रमुख पर उंगली उठाने से पहले अपने गिरेबान में भी जरूर झांक लेना चाहिए। मायावती ने लिखा, साथ ही, दिल्ली में बनी नई भाजपा सरकार को यहां चुनाव में खासकर जनहित और विकास संबंधी किए गए अपने तमाम वादों को समय से पूरा करने की चुनौती है, वरना आगे चलकर पार्टी का भी हाल कहीं कांग्रेस जैसा बुरा न हो जाए।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हम चाहते थे कि मायावती हमारे साथ मिलकर चुनाव लड़ें। अगर तीनों पार्टियां एक साथ चुनाव लड़तीं, तब यूपी में भाजपा कभी नहीं जीत पाती। कांशीराम ने नींव रखी। बहनजी ने काम किया। यह मैं भी मानता हूं। मेरा सवाल है बहन जी (मायावती) आज तक कोई चुनाव ठीक से क्यों नहीं लड़ीं? हम चाहते थे कि लोकसभा में बहन जी भाजपा के विरोध में हमारे साथ चुनाव लड़ें। लेकिन, मायावती किसी कारण से नहीं लड़ीं। इस बात का हमें काफी दुख है।

पंजाब विधानसभा चुनाव में करीब 70 नए चेहरे उतारेगी कांग्रेस

चंडीगढ़ (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारी गच्चा खाने के बाद कांग्रेस पंजाब में अपनी ताकत बढ़ाने और जमीन को मजबूत करने में जुट गई है। इसी रणनीति के तहत कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि राज्य में 2027 में होने वाले इलेक्शन में पार्टी कम से कम 60-70 नए चेहरों पर दांव लगाएगी।

वडिंग ने पंजाब युवा कांग्रेस की राज्य कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, 'पंजाब कांग्रेस 2027 के विधानसभा चुनाव में विधायक के रूप में राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए 60-70 नए चेहरों को मौका देने के लिए दृढ़ है। यह हमारे राजनीतिक नेतृत्व को पुनर्जीवित करने का संकल्प है। पंजाब के लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व ऐसे नेताओं की ओर से किया जाएगा जो गतिशील, प्रतिबद्ध और राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप हों। पीपीसीसी प्रमुख ने संगठन के भीतर सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि युवा नेताओं के रूप में आपकी यात्रा आपके कार्यों में अनुशासन और उद्देश्य के प्रति समर्पण से शुरू होती है। पार्टी के विकास और पंजाब की बेहतरी के लिए सामूहिक रूप से काम करें। अगले चुनाव से पहले हमारे पास सिर्फ 2 साल बचे हैं। यह लोगों की चिंताओं को दूर करके और उनके अधिकारों के लिए मजबूती से खड़े होकर अपनी योग्यता साबित करने का समय है। उन्होंने उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि कांग्रेस पार्टी युवा नेताओं को राजनीतिक क्षेत्र में आगे बढ़ने और उत्कृष्टता हासिल करने के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राजा वडिंग ने कहा, ये नए चेहरे न केवल बदलाव के प्रतीक होंगे बल्कि युवाओं और पंजाब के आम लोगों के विश्वास और उम्मीदों पर भी खरे उतरेंगे। उन्होंने युवा कांग्रेस के सदस्यों से इस अवसर का अटूट प्रतिबद्धता के साथ लाभ उठाने का आग्रह किया। इस बात पर जोर भी दिया कि उनके प्रयास भविष्य में अधिक मजबूत, अधिक समावेशी और एकजुट पंजाब की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कांग्रेस की

ओर से जारी बयान में वडिंग के हवाले से कहा गया, यह आपके लिए खुद को साबित करने और पंजाब के लोगों को यह दिखाने का मौका है कि हम वास्तविक और सार्थक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

तमाम आरोपों का सामना कर रहे मंत्री मुंडे लाइलाज 'बेल्स पाल्सी' बीमारी से हुए पीड़ित

मुंबई (एजेंसी)। तमाम तरह के आरोपों से घिरे महाराष्ट्र के मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता धनंजय मुंडे लाइलाज बीमारी बेल्स पाल्सी से पीड़ित हो गए हैं। इसकी जानकारी खुद मुंडे ने अपने फेसबुक एकाउंट दी। उन्होंने बताया कि फिलहाल मैं दो मिनट भी ठीक से बोल नहीं पा रहा हूं, जिसकी वजह से मैं मंत्रिमंडल की बैठक और सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पा रहा हूं। मुंडे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजित पवार को भरोसा दिलाया कि वह अपनी बीमारी से उबरने और जल्द से जल्द सार्वजनिक सेवा में लौटने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बता दें कि बीते साल नौ दिसंबर को बीड के मसाजोग में सरपंच संतोष देशमुख के अपहरण और हत्या से जुड़े जबरन वसूली के मामले में मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड की गिरफ्तारी के बाद से वह विपक्ष और सत्तारूढ़ 'महायुति'के कुछ सहयोगियों के निशाने पर हैं। मुंडे ने कहा है कि उनका सरपंच मामले से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कृषि मंत्री रहते हुए अनियमितताओं के आरोपों का भी खंडन किया है।

क्या है बेल पाल्सी

जानकारों के मुताबिक बेल पाल्सी चेहरे मांसपेशियों के कमजोर होने या लकवा मारने से जुड़ा है। यह अचानक शुरू हो सकता है और मरीज की स्थिति 48 घंटों के भीतर बिगड़ सकती है। इसमें आमतौर पर चेहरे या सिर में दर्द और असहजता हो सकती है। यह किसी भी उम्र में हो सकता है, लेकिन अधिकांश इसका असर गर्भवती महिलाओं और डायबिटीज, इन्फ्लुएंजा, सर्दी या सांस की परेशानी से जुड़े लोगों में हो सकता है। खास बात है कि यह बीमारी स्थाई नहीं है, लेकिन दुर्लभ मामलों में यह आसानी से नहीं जाती है। फिलहाल, इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है, लेकिन मरीज आमतौर पर 2 सप्ताह से लेकर 6 महीने के बीच रिकवरी होना शुरू हो जाती है।

1984 सिख विरोधी दंगा मामले में सज्जन कुमार की हुई सुनवाई

-कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला, पीड़ित पक्ष मांग रहा मौत की सजा

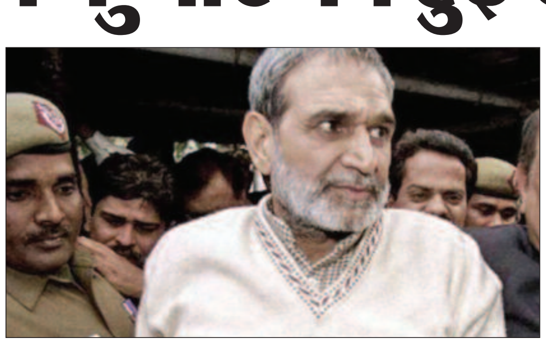

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में 1984 सिख विरोधी दंगा मामले में कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार के खिलाफ सजा पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। पीड़ित पक्ष ने सज्जन कुमार को मौत की सजा देने की मांग की है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 1 फरवरी को सज्जन कुमार को दोषी करार दिया था। उन पर 1984 में दंगों के दौरान सरस्वती विहार में जसवंत सिंह और उसके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या का दोषी पाया है। वह पहले से ही दिल्ली कैंट मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं।

इससे पहले दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में जज कावेरी बावेजा ने शुक्रवार को बचाव पक्ष को दो दिन में लिखित दलीलें पेश करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि हम 25 फरवरी दोपहर 2 बजे के बाद सज्जन कुमार की सजा पर फैसला सुनाएंगे।

वरिष्ठ वकील एचएस फुल्का 1984 के दंगा पीड़ितों के लिए ऑनलाइन पेश हुए और अपनी लिखित दलीलें पेश कीं और मृत्युदंड की मांग की। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अनिल कुमार शर्मा भी ऑनलाइन पेश हुए।

बता दें दिल्ली कैंट की पालम कॉलोनी में पांच सिखों की हत्या के बाद गुरुद्वारा जला दिया गया था। इस मामले में सज्जन कुमार को दोषी पाया गया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने 17 दिसंबर, 2018 को सज्जन को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। सितंबर, 2023 को राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के सुल्तानपुरी में तीन सिखों की हत्या मामले में सज्जन कुमार को बरी कर दिया था। दंगे में सीबीआई की एक अहम गवाह चाम कौर ने आरोप लगाया था कि सज्जन कुमार भीड़ को भड़का रहे थे। वहीं 1 नवंबर 1984 को सरस्वती विहार में सरदार जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या हुई थी। दंगाइयों ने लोहे के सरियों और लाठियों से हमला किया था। इसके बाद दोनों सिखों को जिंदा जला दिया गया था। इस मामले में सज्न कुमार को 12 फरवरी, 2025 को दोषी ठहराया गया है।

22 रेलवे स्टेशन से हुई करोड़ों की कमाई बैंक तक नहीं पहुंची, कैश लिफ्टर ने की करोड़ों की हैराफेरी

-रेलवे ने जांच शुरू कर एफआईआर दर्ज करवाया

धनबाद(एजेंसी)। धनबाद रेल मंडल के 22 रेलवे स्टेशन से बैंकों में जमा कराने भेजी गई करोड़ों की रकम रास्ते में ही गायब हुई। कैश ले जाने वाली कंपनी के लिफ्टरों ने ही रेलवे की करोड़ों की राशि की हेराफेरी की। इसमें स्टेट बैंक की अधिकृत एजेंसी राइटर सेफ गार्ड लिमिटेड (डब्ल्यूएसजी) के एजेंट शामिल थे।

मामला सामने आने के बाद रेलवे ने जांच शुरू की। रेलवे का वित्त विभाग हेराफेरी की जांच में जुड़ा है। सीनियर डीसीएम अमरेश कुमार ने बताया कि 22 में से 14 स्टेशन से जुड़े मामले में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है। अन्य आठ स्टेशन के लिए एफआईआर की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जल्द ही एफआईआर दर्ज होगी। धनबाद रेल मंडल के 22 स्टेशन के टिकट आय की राशि में हुई हेराफेरी को लेकर वित्त विभाग आंकड़े खंगाल रहा है। वर्ष 2020 से 2024 तक के वित्तीय वर्ष का आकलन हो रहा है।

रेलवे की प्रारंभिक जांच में साल 2023 व 2024 में ही साढ़े सात-आठ करोड़ की हेराफेरी की बात सामने आई है। 2020 से अब तक की जांच पूरी होने पर हेराफेरी की रकम 25 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। धनबाद मंडल के रेलवे स्टेशनों से बैंक तक पैसा पहुंचाने वाले लिफ्टरों को एसबीआई की ओर से अधिकृत एजेंट के तौर पर आई कार्ड व विशेष नंबर जारी किए थे। साथ ही उन्हें स्क्रैच कार्ड भी दिया गया था। पूर्व मध्य रेल ने साल 2016 में स्टेट बैंक आफ इंडिया के साथ समझौता किया था। इसके तहत छोटे स्टेशन से प्राप्त होने वाली आय की रकम बैंकों में उनके एजेंट कैश लिफ्टर को सौंपा जाता है। कैश लिफ्टर वाणिज्य पर्यवेक्षक से ट्रेजरी रेमिटेंस नोट की तीन प्रतियों के साथ बैंक में रुपये जमा कराने ले जाते हैं। दो प्रति बैंक को तथा तीसरी बैंक की मुहर के साथ रेलवे के वाणिज्य पर्यवेक्षक को लौटा दी जाती है। जांच में पाया गया कि कैश लिफ्टर ने रुपये ले लिये पर बैंक में पूरी राशि जमा नहीं करते थे।

गर्व महसूस करने वाला पल, अमेरिका को तोप निर्यात करेगी भारतीय कंपनी केएसएसएल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी तक यहीं सुनने को मिलाता था कि भारत अमेरिका से या किसी और देश से हथियार खरीद रहा है। लेकिन, अब अमेरिका भारत से हथियार खरीदेगा। आपकों इस बात पर भरोसा नहीं हो रहा होगा, लेकिन ये सच है। दरअसल भारत से आधुनिक तोप खरीदने के लिए अमेरिकी कंपनी एएम जनरल मोटर्स ने भारत फोर्ज लिमिटेड की सहायक कंपनी कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड (केएसएसएल) के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत भारत में निर्मित उन्नत तोपों की आपूर्ति अमेरिका को होगी। यह पहली बार है जब किसी भारतीय कंपनी ने अमेरिका को तोपों की आपूर्ति के लिए समझौता किया है। एएम जनरल दुनिया का एक प्रमुख सैन्य वाहन निर्माता है। फिलिपींस को ब्रह्मोस मिसाइल बेचने के बाद अब अमेरिकी कंपनी के साथ हुआ यह करार डिफेंस मैन्युफेक्चरिंग में भारत की बढती ताकत को दिखाता है। कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड समझौते के तहत भारत में निर्मित 105एमएम और 155 एमएम कैलिबर की माउंटेड, टोव्ड और अल्ट्रा-लाइट गन सिस्टम की आपूर्ति एएम जनरल को करेगा। केएसएसएल स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ऑफ-रोड प्रोटेक्टेड मोबिलिटी सॉल्यूशंस और उच्च-तकनीकी सैन्य उत्पादों के डिजाइन और विकास में विशेषज्ञता रखती है।

फोर्ज की तोपें पूरी तरह से इलेक्ट्रिक ड्राइव सिस्टम से चलती हैं। यह सिस्टम तोपों को विश्वसनीय बनाने के साथ साथ काफी ज्यादा घातक बनाता हैं। तोप को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इसके रखरखाव में काफी कम खर्च हो, इस वजह से ये पसंदीदा तोप बन गया है। यह समझौता भारत और अमेरिका के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग को बढ़ाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा माना जा रहा है, जो हाल ही में द्विपक्षीय रक्षा चर्चाओं के बाद हुआ है।

भारत फोर्ज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर बाबा कल्याणी ने कहा, ÷अमेरिका को भारत में निर्मित महत्वपूर्ण रक्षा प्रणालियों की आपूर्ति करना एक महत्वपूर्ण कदम है। हम गर्व महसूस कर रहे हैं कि हम पहली भारतीय कंपनी हैं जो अमेरिका को तोपों की आपूर्ति करेगी। यह हमारी क्षमताओं का प्रमाण है और हमारी विश्व स्तरीय तोप समाधान प्रदाता बनने की मिशन में एक महत्वपूर्ण प्रगति है। वहीं एएम जनरल के कार्यकारी उपाध्यक्ष, जॉन चाडबोर्न ने कहा कि यह समझौता पत्र हमारे दीर्घकालिक सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

बकरियों की उपयोगी नस्लें

ब्लैक बंगाल: इस जाति की बकरियाँ पश्चिम बंगाल, झारखंड, असोम, उत्तरी उड़ीसा एवं बंगाल में पायी जाती है। इसके शरीर पर काला, भूरा तथा सफेद रंग का छोटा रोंआ पाया जाता है। अधिकांश (करीब 80 प्रतिशत) बकरियों में काला रोंआ होता है। यह छोटे कद की होती है वयस्क नर का वजन करीब 18-20 किलो ग्राम होता है जबकि मादा का वजन 15-18 किलो ग्राम होता है। नर तथा मादा दोनों में 3-4 इंच का आगे की ओर सीधा निकला हुआ सींग पाया जाता है। इसका शरीर गठीला होने के साथ-साथ आगे से पीछे की ओर ज्यादा चौड़ा तथा बीच में अधिक मोटा होता है। इसका कान छोटा, खड़ा एवं आगे की ओर निकला रहता है।

इस नस्ल की प्रजनन क्षमता काफी अच्छी है। औसतन यह 2 वर्ष में 3 बार बच्चा देती है एवं एक वियान में 2-3 बच्चों को जन्म देती है। कुछ बकरियाँ एक वर्ष में दो बार बच्चे पैदा करती है तथा एक बार में 4-4 बच्चे देती है। इस नस्ल की मेमना 8-10 माह की उम्र में वयस्कता प्राप्त कर लेती है तथा औसतन 15-16 माह की उम्र में प्रथम बार बच्चे पैदा करती है। प्रजनन क्षमता काफी अच्छी होने के कारण इसकी आबादी में वृद्धि दर अन्य नस्लों की तुलना में अधिक है। इस जाति के नर बच्चा का मांस काफी स्वादिष्ट होता है तथा खाल भी उत्तम कोटि का होता है। इन्हीं कारणों से ब्लैक बंगाल नस्ल की बकरियाँ मांस उत्पादन हेतु बहुत उपयोगी है। परन्तु इस जाति की बकरियाँ अल्प मात्रा (15-20 किलो ग्राम/वियान) में दूध उत्पादित करती है जो इसके बच्चों के लिए अपर्याप्त है। इसके बच्चों का जन्म के समय औसत् वजन 1.0-1.2 किलो ग्राम ही होता है। शारीरिक वजन एवं दूध उत्पादन क्षमता कम होने के कारण इस नस्ल की बकरियों से बकरी पालकों को सीमित लाभ ही प्राप्त होता है।

यह गुजरात एवं राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी उपलब्ध है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध उत्पादन हेतु पाली जाती है लेकिन मांस उत्पादन के लिए भी यह उपयुक्त है। इसका शरीर गठीला एवं रंग सफेद, भूरा या सफेद एवं भूरा का मिश्रण लिये होता है। इसका नाक छोटा परन्तु उभरा रहता है। कान लम्बा होता है। पूंछ मुड़ा हुआ एवं पूंछ का बाल मोटा तथा खड़ा होता है। इसके शरीर का बाल मोटा एवं छोटा होता है। यह सलाना एक वियान में औसतन 1.5 बच्चे उत्पन्न करती है। इस नस्ल की बकरियों को बिना चराये भी पाला जा सकता है।

झारखंड प्रांत की जलवायु में उपरोक्त वर्णित नस्लों का पालन किया जा सकता है या यहाँ पायी जाने वाली बकरियों के नस्ल सुधार हेतु बीटल, बारबरी, सिरोही एवं जमनापारी के बकरे व्यवहार में लाये जा सकते हैं।

जमुनापारी

जमुनापारी भारत में पायी जाने वाली अन्य नस्लों की तुलना में सबसे उँची तथा लम्बी होती है। यह उत्तर प्रदेश के इटावा जिला एवं गंगा, यमुना तथा चम्बल नदियों से घिरे क्षेत्र में पायी जाती है। एंग्लोनुवियन बकरियों के विकास में जमुनापारी नस्ल का विशेष योगदान रहा है।

इसके नाक काफी उभरे रहते हैं। जिसे 'रोमन' नाक कहते हैं। सींग छोटा एवं चौड़ा होता है। कान 10-12 इंच लम्बा चौड़ा मुड़ा हुआ तथा लटकता रहता है। इसके जाँघ में पीछे की ओर काफी लम्बे घने बाल रहते हैं। इसके शरीर पर सफेद एवं लाल रंग के लम्बे बाल पाये जाते हैं। इसका शरीर बेलनाकार होता है। वयस्क नर का औसत वजन 70-90 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 50-60 किलो ग्राम होता है।

इसके बच्चों का जन्म समय औसत वजन 2.5-3.0 किलो ग्राम होता है। इस नस्ल की बकरियाँ अपने गृह क्षेत्र में औसतन 1.5 से 2.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध तथा मांस उत्पादन हेतु उपयुक्त है। बकरियाँ सलाना बच्चों को जन्म देती है तथा एक बार में करीब 90 प्रतिशत एक ही बच्चा उत्पन्न करती है। इस जाति की बकरियाँ मुख्य रूप से झाड़ियाँ एवं वृक्ष के पत्तों पर निर्भर रहती है। जमुनापारी नस्ल के बकरों का प्रयोग अपने देश के विभिन्न जलवायु में पायी जाने वाली अन्य छोटे तथा मध्यम आकार की बकरियाँ के नस्ल सुधार हेतु किया गया। वैज्ञानिक अनुसंधान से यह पता चला कि जमनापारी सभी जलवायु के लिए उपयुक्त नही हैं।

बारबरी

बारबरी मुख्य रूप से मध्य एवं पश्चिमी अफ्रीका में पायी जाती है। इस नस्ल के नर तथा मादा को पादरियों के द्वारा भारत वर्ष में सर्वप्रथम लाया गया। अब यह उत्तर प्रदेश के आगरा, मथुरा एवं इससे लगे क्षेत्रों में काफी संख्या में उपलब्ध है।

यह छोटे कद की होती है परन्तु इसका शरीर काफी गठीला होता है। शरीर पर छोटे-छोटे बाल पाये जाते हैं। शरीर पर सफेद के साथ भूरा या काला धब्बा पाया जाता है। यह देखने में हिरण के जैसा लगती है। कान बहुत ही छोटा होता है। थन अच्छा विकसित होता है। वयस्क नर का औसत वजन 35-40 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 25-30 किलो ग्राम होता है। यह घर में बांध कर गाय की तरह रखी जा सकती है। इसकी प्रजनन क्षमता भी काफी विकसित है। 2 वर्ष में तीन बार बच्चों को जन्म देती है तथा एक वियान में औसतन 1.5 बच्चों को जन्म देती है। इसका बच्चा करीब 8-10 माह की उम्र में वयस्क होता है। इस नस्ल की बकरियाँ मांस तथा दूध उत्पादन हेतु उपयुक्त है। बकरियाँ औसतन 1.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

सिरोही

सिरोही नस्ल की बकरियाँ मुख्य रूप से राजस्थान के सिरोही जिला में पायी जाती है। यह गुजरात एवं राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी उपलब्ध है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध उत्पादन हेतु पाली जाती है लेकिन मांस उत्पादन के लिए भी यह उपयुक्त है। इसका शरीर गठीला एवं रंग सफेद, भूरा या सफेद एवं भूरा का मिश्रण लिये होता है। इसका नाक छोटा परन्तु उभरा रहता है। कान लम्बा होता है। पूंछ मुड़ा हुआ एवं पूंछ का बाल मोटा तथा खड़ा होता है। इसके शरीर का बाल मोटा एवं छोटा होता है। यह सलाना एक वियान में औसतन 1.5 बच्चे उत्पन्न करती है। इस नस्ल की बकरियों को बिना चराये भी पाला जा सकता है।

झारखंड प्रांत की जलवायु में उपरोक्त वर्णित नस्लों का पालन किया जा सकता है या यहाँ पायी जाने वाली बकरियों के नस्ल सुधार हेतु बीटल, बारबरी, सिरोही एवं जमनापारी के बकरे व्यवहार में लाये जा सकते हैं।

विदेशी बकरियों की प्रमुख नस्लें

अल्पाइन - यह स्विटजरलैंड की है। यह मुख्य रूप से दूध उत्पादन के लिए उपयुक्त है। इस नस्ल की बकरियाँ अपने गृह क्षेत्रों में औसतन 3-4 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

एंग्लोनुवियन -

यह प्रायः यूरोप के विभिन्न देशों में पायी जाती है। यह मांस तथा दूध दोनों के लिए उपयुक्त है। इसकी दूध उत्पादन क्षमता 2-3 किलो ग्राम प्रतिदिन है।

सानन -

यह स्विटजरलैंड की बकरी है। इसकी दूध उत्पादन क्षमता अन्य सभी नस्लों से अधिक है। यह औसतन 3-4 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन अपने गृह क्षेत्रों में देती है।

टोगेनवर्ग -

टोगेनवर्ग भी स्विटजरलैंड की बकरी है। इसके नर तथा मादा में सींग नहीं होता है। यह औसतन 3 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

बीटल

बीटल नस्ल की बकरियाँ मुख्य रूप से पंजाब प्रांत के गुरदासपुर जिला के बटाला अनुमंडल में पाया जाता है। पंजाब से लगे पाकिस्तान के क्षेत्रों में भी इस नस्ल की बकरियाँ उपलब्ध है। इसका शरीर भूरे रंग पर सफेद-सफेद धब्बा या काले रंग पर सफेद-सफेद धब्बा लिये होता है। यह देखने में जमनापारी बकरियाँ जैसी लगती है परन्तु ऊँचाई एवं वजन की तुलना में जमुनापारी से छोटी होती है। इसका कान लम्बा, चौड़ा तथा लटकता हुआ होता है। नाक उभरा रहता है। कान की लम्बाई एवं नाक का उभरापन जमुनापारी की तुलना में कम होता है। सींग बाहर एवं पीछे की ओर घुमा रहता है। वयस्क नर का वजन 55-65 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 45-55 किलो ग्राम होता है। इसके वच्चों का जन्म के समय वजन 2.5-3.0 किलो ग्राम होता है। इसका शरीर गठीला होता है। जाँघ के पिछले भाग में कम घना बाल रहता है। इस नस्ल की बकरियाँ औसतन 1.25-2.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है। इस नस्ल की बकरियाँ सलाना बच्चे पैदा करती है एवं एक बार में करीब 60त्र बकरियाँ एक ही बच्चा देती है। बीटल नस्ल के बकरों का प्रयोग अन्य छोटे तथा मध्यम आकार के बकरियों के नस्ल सुधार हेतु किया जाता है। बीटल प्रायः सभी जलवायु हेतु उपयुक्त पाया गया है।

पपीता

पपीता भारत वर्ष में पूरे साल पैदा होता है। यह एक सर्वलिंगी पौधा है तथा इसमें नर, उभयलिंगी और मादा पौधे पाए जाते हैं। इसको उगाने के लिए कम जगह की आवश्यकता होती है तथा इसमें एक वर्ष में ही फल आना शुरू हो जाते हैं।

किस्में : पूसा डेलीसियस, पूसा मैजिस्टी, पूसा जायन्ट, पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, सूर्या, हनीड्यू, कुर्ग हनीड्यू, वाद्गिंगटन, कोयम्बटूर-1, कोयम्बटूर-2, कोयम्बटूर-3, कोयम्बटूर-5, कोयम्बटूर-6, कोयम्बटूर-7, सोलो इत्यादि।

नर्सरी तैयार करना : पपीते का प्रवर्धन बीज द्वारा किया जाता है। एक हैक्टेयर खेत में पौध लगाने के लिए लगभग 250-300 ग्रा. बीज की आवश्यकता होती है। पपीते की नर्सरी के लिए 10 सें.मी. ऊँची, 3 मी. नमबी तथा 1 मी. चौड़ी क्यारी बनानी चाहिए। पपीते की पौध को पॉलीथीन के थैलों में भी तैयार किया जा सकता है। नर्सरी हेतु अथवा पॉलीथीन के थैलों में भरने हेतु बालू, मिटटी तथा गोबर की सड़ी हुई खाद की समान अनुपात में मिलाकर मिश्रक तैयार करना चाहिए। बुवाई से पहले बीज को मीनोसान 0.1 प्रतिशत की दर से उपचारित करते हैं जिससे डैम्पिंग ऑफ कम होता है।

सस्य क्रियाएँ : रोपक करने से पहले भूमि की अच्छी तरह जुताई करके सममतल बना लेते हैं। पौधे लगाने के लिए 60*60*60 सें.मी. आकार का गड्ढा तैयार करना चाहिए। एक गड्ढे में 20 कि.ग्रा. सड़ी हुइ गोबर की खाद, 1 कि.ग्रा. नीम खली तथा 1 कि.ग्रा. बोन मील की आवश्यकता होती है। पपीते का रोपक मुख्यतः फरवरी-मार्च में किया तजाता हे इसके अलावा मानसून तथा शीतकाल में भी रोपक कर सकते हैं। पपीते में पौधों की संघनता किस्म, भूमि तथा जलवायु पर निर्भर करती है। पौधे से पौधे तथा पंक्ति से पंक्ति की दूरी 2.1 ग 2.1 मी. अधिकांशतः किस्मों में रखी जाती है ओर पूसा नन्हा के लिए 1.2 ग 1.2 मी. का प्रयोग करते हैं। जहाँ हवाएँ तेज चलती है तथा पत्तियों का नुकसान होता है वहाँ पपीते के बगानों के चारों तरफ हवा रोधक पौधे लगाना चाहिए। द्विलिंगी किस्मों के पपीते के बागों में 10=1 के अनुपात में मादा तथा नर पौधे रखना चाहिए। पपीते की अच्छी उपज, बढ़वार तथा गुकवत्ता के लिए र्प्याप्त सिंचाई करना आवश्यक होता है।

उवंरण व खाद : पपीते की फसल बागवानी के लिए खाद एवं उर्वरण की समुचित मात्रा की आवश्यकता होती है। सामान्यतः पपीते के पौधों को नत्रजन 200-250 ग्रा., 200-250 ग्रा. फॉस्फोरस तथा 200-250 ग्रा. पोटाश 4 से 6 बराबर भागों में विभक्त करके देते हैं।

खरपतवार नियंत्रण : पपीते की अच्छी बढ़वार के लिए 2-3 निराई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है तथा लूक्लोरेलिन 2.0 ग्रा./है. की दर से छिड़काव करना चाहिए।

तुड़ाई एवं उपज : पपीते के फल पूरी तरह से पकने के बाद ही तुड़ाई करते हैं तथा इसकी उपज 30-45 फल/पौधा होती है। लेभग 60-75 टन/है. उपज भी मिलती है।

तुड़ाई उपरांत प्रौद्योगिकी

1. जब फलों का रंग हरे से पीले में परिवर्तित होना शुरू हो जाए तो तुड़ाई करें।
2. आकार व रंग के आधार पर वग्रीकृत कर गत्ते के बक्सों में पैक करें।
3. 10-12 डिग्री से. तापमान व 80 प्रतिशत सापेक्ष आर्द्रता पर 15-20 दिनों तक भण्डारित करें।
4. कच्चे पपीते से पर्पन निकालें।

कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल मकड़ी माइट (रेड स्पाइडर माइट)

लाल मकड़ी माइट पत्ती व फलों से रस चूसती है जिससे पत्ते पीले पड़ जाते हैं व फलों की सतह खुरदरी भूरे रंग की जाती है। फलों पर ध्ब्बे भी बन जाते हैं।

इस कीट के नियंत्रण के लिए कैल्थेन 18.5 इ.सी. 2-3 मि.लि. /लिटर या आबामेक्टिन 1.9 ई.सी. 1 मि.लि./2 लिटर या मेथइल डेमिटोन 25 ई.सी. 2 मि.लि./ लिटर का छिड़काव करें।

2. फल मक्खी (फ्रूट फलाई)

फल सब्जी तुड़ाई से पहले पके हुए फलों को नुकसान पहुँचाती हैं। इस कीट के नुकसान के लक्षण व प्रबंधन आम के न्तिर्गत दर्शाए गए हैं।

3. सूत्रकृमि (नेमाटोड)

पपीते की फसल को जड़गांठ (रूट नॉट) एवं रीनिुॉर्म काफी नुकसान पहुँचाते हैं। ग्रसित पौधों की जड़ों में मांठें बनने से पौधे बौने रह जाते हैं व पत्ते पीले होकर सूख जाते हैं।

प्रबंधन

1. पपीते की सूत्रकृमि प्रतिरोधी किस्म जैसे पूसा मजेस्टी लगाएँ।
2. कार्बोफ्चूरॉन 3 जी 3-4 ग्राम/पौधा प्रयोग करें।

4. रस चूसने वाले कीट

चेपा (एफिड) व सफेद मक्खी (व्हाइट फलाई) रस खूसकर पौधों को नुकसान पहुँचाते हैं। लेकिन ज्यादा नूकसान इनके द्वारा वाइरस बीमारियाँ फैलाने से होता है।

इन कीटों की रोकथाम के लिए डाईमेथोएट 30 ई.सी. 1 मि.लि./ लिटर या मेथाइल डेमिटोन 25 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या इमिडाक्लोप्रिड. 17.8 एस.एल. 1 मि.लि./3 लिटर पानी की दर से छिड़कें।

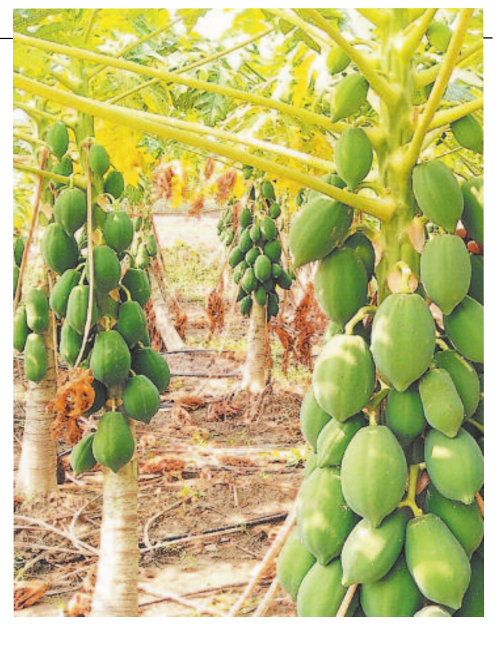

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
फ्यूचर लाइन टाईम्स

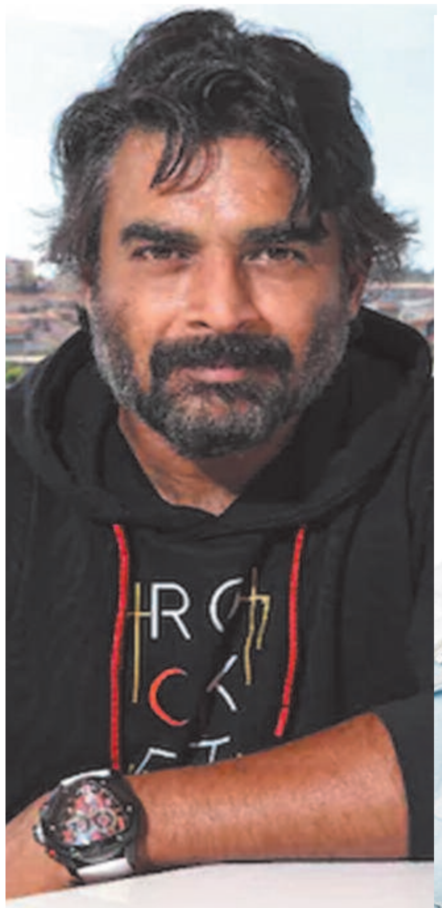

‘भारत के एडिसन’ जीडी नायडू की बायोपिक की घोषणा, माधवन निभाएंगे मुख्य भूमिका

निर्देशक कृष्णाकुमार रामकुमार ‘भारत के एडिसन’ के नाम से मशहूर वैज्ञानिक जीडी नायडू की बायोपिक बनाएंगे। निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल जारी कर दिया है। टाइटल ‘जी.डी.एन’ रखा गया है, जिसमें अभिनेता आर. माधवन मुख्य भूमिका में दिखेंगे।

वैज्ञानिक पर आधारित बायोपिक का भारत में शेड्यूल मंगलवार से शुरू हो चुका है, जिसमें आर माधवन के साथ अभिनेता प्रियामणि, जयराम और योगी बाबू भी शामिल होंगे। फिल्म में संगीत गोविंद वसंता ने दिया है। अभिनेता माधवन ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के टाइटल की घोषणा करते हुए एक पोस्टर शेयर किया। उन्होंने लिखा, आप सभी के आशीर्वाद और शुभकामनाओं की जरूरत है। जानकारी के अनुसार, फिल्म की पूरी शूटिंग कोयंबटूर में की जाएगी, जो वैज्ञानिक का जन्मस्थान है। खास बातचीत में फिल्म के कार्यकारी निर्माता मुरलीधरन सुब्रमण्यम ने बताया था, फिल्म का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा कोयंबटूर में शूट किया जाएगा और बाकी पांच प्रतिशत विदेश में शूट किया जाएगा। पांच प्रतिशत का एक छोटा हिस्सा, जो विदेश में शूट किया जाना था, वह पिछले साल ही पूरा हो चुका है। बाकी हिस्से की शूटिंग जारी है। मुरलीधरन ने कहा, निर्देशक और उनकी टीम ने वैज्ञानिक के जीवन पर तीन से पांच साल से भी अधिक समय तक रिसर्च किया है। टीम का उद्देश्य था कि जीडी नायडू, विज्ञान और समाज में उनके योगदान का कोई भी हिस्सा ना छूटे।

‘रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट’ को साल 2022 में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए मिले राष्ट्रीय पुरस्कार के बाद वर्गीज मूलन पिक्चर्स और ट्राइकलर फिल्म्स इस प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ आ रहे हैं। ‘रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट’ में नंबी नारायणन की भूमिका निभाने वाले माधवन अब जीडी नायडू की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण वर्गीज मूलन पिक्चर्स के वर्गीज मूलन और विजय मूलन तथा ट्राइकलर फिल्म्स के आर. माधवन और सरिता माधवन करने के लिए तैयार हैं। अरविंद कमलानाथन फिल्म के सिनेमैटोग्राफर और क्रिएटिव प्रोड्यूसर के रूप में काम करेंगे।

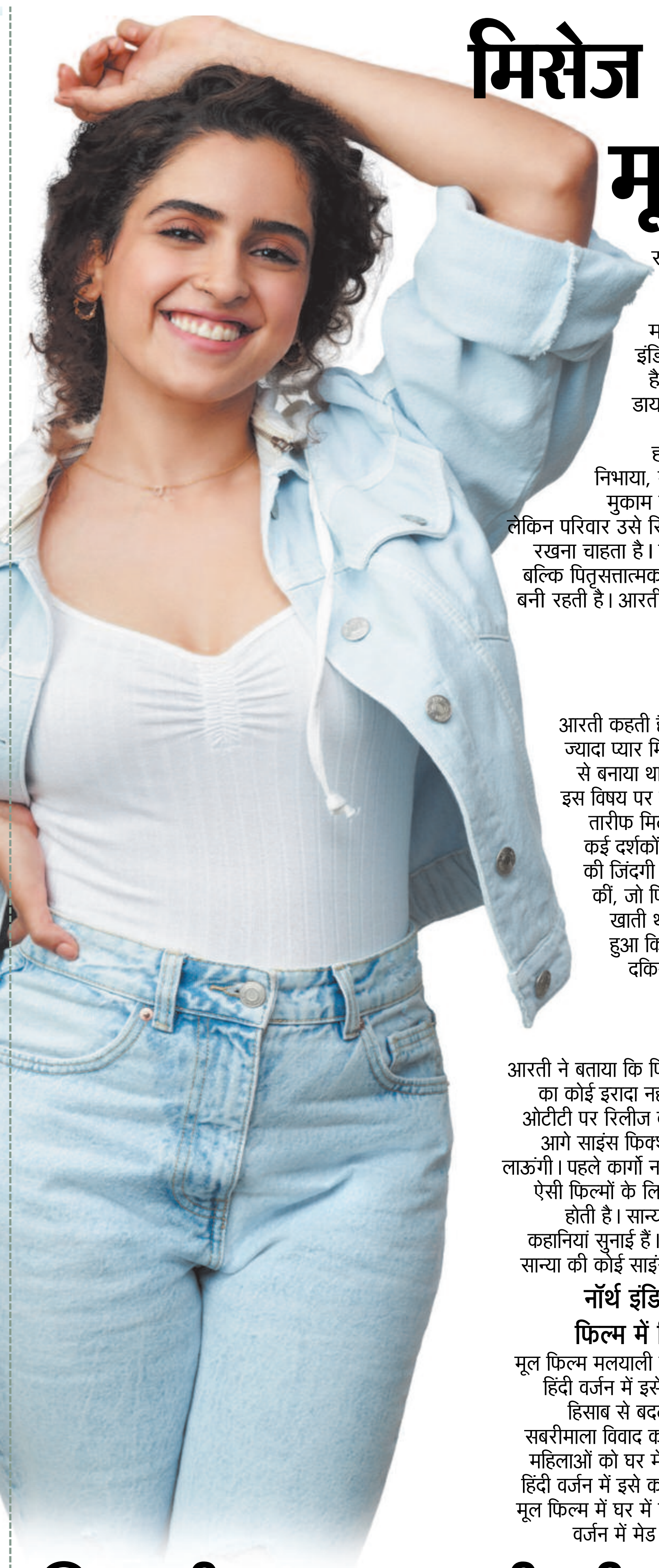

मिसेज के बाद साइंस बेस्ड मूवी करेंगी सान्या

सान्या मल्होत्रा की फिल्म मिसेज हाल ही में सा रिलीज हुई। यह मलयालम फिल्म द ग्रेट इंडियन किचन की रीमेक है। इसे आरती कड़व ने डायरेक्ट किया। फिल्म में सान्या ने एक ऐसी हाउसवाइफ का किरदार निभाया, जो अपने जीवन में बड़ा मुकाम हासिल करना चाहती है लेकिन परिवार उसे सिर्फ किचन तक सीमित रखना चाहता है। यह सोच इरादतन नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक मानसिकता के कारण बनी रहती है। आरती ने इसी सोच को फिल्म में दिखाया है।

फिल्म को मिली जबरदस्त तारीफ

आरती कहती हैं... फिल्म को उम्मीद से ज्यादा प्यार मिला। मैंने इसे जिम्मेदारी से बनाया था। मुझे लगा था कि लोग इस विषय पर चर्चा करेंगे लेकिन इतनी तारीफ मिलेगी, यह सोचा नहीं था। कई दर्शकों ने अपनी मां और बहनों की जिंदगी से जुड़ी कहानियां साझा कीं, जो फिल्म के किरदार से मेल खाती थीं। यह जानकर दुख भी हुआ कि समाज में अब भी ऐसी दकियानूसी सोच बनी हुई हैं।

थिएटर में रिलीज का इरादा नहीं था

आरती ने बताया कि फिल्म को थिएटर में लाने का कोई इरादा नहीं था। इसलिए डायरेक्ट ओटीटी पर रिलीज करना सही फैसला रहा। आगे साइंस फिक्शन जॉनर की फिल्म भी लाऊंगी। पहले कार्गो नाम की फिल्म बनाई थी। ऐसी फिल्मों के लिए बड़े बजट की जरूरत होती है। सान्या को दो साइंस फिक्शन कहानियां सुनाई हैं। मुमकिन है कि जल्द ही सान्या की कोई साइंस फिक्शन फिल्म आए।

नॉर्थ इंडियन दर्शकों के लिए फिल्म में किए गए थे बदलाव

मूल फिल्म मलयाली दर्शकों के लिए बनी थी। हिंदी वर्जन में इसे नॉर्थ इंडियन दर्शकों के हिसाब से बदला गया। साउथ वर्जन में सबरीमाला विवाद को दिखाया गया था, जहां महिलाओं को घर में बंद कर दिया गया था। हिंदी वर्जन में इसे करवा चौथ से जोड़ा गया। मूल फिल्म में घर में मेड नहीं थी लेकिन हिंदी वर्जन में मेड का किरदार जोड़ा गया।

फिल्में बदलाव ला सकती हैं...

आरती का मानना है कि फिल्मों से बदलाव की शुरुआत होती है। जब किसी मुद्दे पर बातचीत होती है, तो पॉलिसी लेवल पर भी बदलाव का माहौल बनता है। हालांकि यह प्रयास पर्याप्त नहीं होते लेकिन जरूरी होते हैं।

फेंचाइज बनाने की प्लानिंग नहीं है...

आरती ने कहा कि मिसेज में कामकाजी महिलाओं से जुड़े कई जरूरी मुद्दे हैं। इसे फेंचाइज बनाना प्राथमिकता नहीं है। सान्या इस फिल्म के मुद्दे से इतनी जुड़ गई थीं कि शूटिंग के बाद भी उन्हें इससे बाहर आने में महीना भर लगा था।

कौशलजीस वर्सेस कौशल के लिए अजय देवगन ने शुभकामनाएं दी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर आगामी फिल्म कौशलजीस वर्सेस कौशल के लिए शुभकामनाएं दी। फिल्म के ट्रेलर को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर करते हुए, सिंघम अभिनेता ने लिखा, पीढ़ियां आपस में टकरा सकती हैं, लेकिन प्यार हमेशा एक रास्ता खोज लेता है। कौशलजीस वर्सेस कौशल में परिवार, प्यार और हंसी के मजेदार दिल को छू लेने वाले सफर के लिए तैयार हो जाइए। इस शुक्रवार 21 फरवरी को केवल जिओ हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग होगी। सोमवार को आगामी पारिवारिक ड्रामा कौशलजीस वर्सेस कौशल के निर्माताओं ने इसका ट्रेलर जारी किया। फिल्म के ट्रेलर में दिल को छू लेने वाली कहानी की झलक मिलती है।

फिल्म को सीमा देसाई और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्देशित किया गया है। फिल्म की कहानी 27 साल के युग कौशल की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कन्नौज में अपने छोटे शहर की जड़ों को पीछे छोड़कर दिल्ली चला जाता है। निर्देशक सीमा देसाई ने एक बयान में कहा, कौशलजीस वर्सेस कौशल की कहानी जो जटिल होते हुए भी खूबसूरत है। यह परिवार के बारे में है। हम अक्सर युवा जोड़ों की प्रेम कहानियां देखते हैं, लेकिन उन लोगों का क्या जो दशकों से साथ हैं? यह फिल्म शादी पर एक हल्की-फुल्की लेकिन मार्मिक नजर डालती है और पूछती है, क्या होगा अगर वर्षों के संघर्ष के बाद भी प्यार खत्म न हो। मुझे भरोसा है कि दर्शक प्यारे किरदारों से जुड़ेंगे, हंसेंगे, रोएंगे और अपने परिवार की झलक स्क्रीन पर देखेंगे। यह दिल से दिलों के लिए बनाई गई एक अच्छी फिल्म है। कौशलजीस वर्सेस कौशल में शीबा चड्ढा, पावेल गुलाटी, ईशा तलवार, बृजेंद्र काला और ग्रुशा कपूर भी हैं। यह फिल्म 21 फरवरी को जिओ हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

शिवाजी महाराज की जीवन यात्रा को पर्दे पर दिखाना मेरे लिए बेहद खास है

आज छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती है। इस मौके पर ऋषभ शेट्टी की अपकमिंग फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है। इस नए पोस्टर में वीर शिवाजी बने ऋषभ शेट्टी देवी मां की विशाल मूर्ति के सामने खड़े नजर आ रहे हैं।

ऋषभ शेट्टी ही बनेंगे शिवाजी महाराज

बॉलीवुड से लेकर मराठी सिनेमा तक कई सारे सितारे शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आ चुके हैं। अब छत्रपति शिवाजी महाराज पर बन रही आगामी फिल्म द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज में ऋषभ शेट्टी शिवाजी महाराज का किरदार निभाते नजर आने वाले हैं।

ऋषभ शेट्टी ने कही ऐसी बात

पोस्टर रिलीज के मौके पर ऋषभ शेट्टी ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर हम सभी गर्व महसूस करते हैं। वे केवल एक योद्धा नहीं थे बल्कि स्वराज्य की आत्मा थे। उन्हें हमेशा धैर्य, बुद्धि और भक्ति का प्रतीक माना जाता है। उनकी जीवन यात्रा को पर्दे पर दिखाना वाकई मेरे लिए बेहद खास है। मैं आशा करता हूं कि उनकी विरासत को मैं अच्छे तरीके से पर्दे पर दिखा सकूं। सभी भारतीयों को उनकी अमर वीरता का एहसास दिला सकूं।

फिल्म में नजर आएंगे ये सितारे

स्वराज्य का सपना देखने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर इस फिल्म की टीम के बारे में भी मेकर्स ने बताया है। फिल्म की कहानी सिद्धार्थ – गरिमा ने लिखी है। फिल्म को संगीत प्रीतम ने दिया है। गानों ने बोल प्रसून जोशी ने लिखे हैं। वहीं, सिनेमेटोग्राफी रवि वर्मन ने की है। गणेश हेगड़े ने कोरियोग्राफी की है। फिल्म के कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा हैं।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

यह फिल्म 21 जनवरी 2027 में हिंदी समेत छह अन्य भाषाओं में रिलीज होगी। यह फिल्म भारत और विदेशों में भी शिवाजी के स्वराज्य का सपना दिखाने वाली है।

शबाना आजमी ने बताई डब्बा कार्टेल का हिस्सा बनने की वजह

एक्सेल एंटरटेनमेंट की नई सीरीज ‘डब्बा कार्टेल’ के ट्रेलर लांच इवेंट पर शबाना आजमी की अदाओं ने लोगों का खूब मनोरंजन किया। महबूब स्टूडियो में इस कार्यक्रम का आयोजन शानदार तरीके से हुआ। लोगों में काफी उत्साह रहा लेकिन, आदतन प्रोग्राम अपने समय से ही शुरू हुआ। जनता बेसब्री से ट्रेलर का इंतजार करी दिखी। महबूब स्टूडियो में जब बारी इस ट्रेलर लॉन्च की आई तो मामला बहुत ही रोचक हो गया है। आहिस्ता आहिस्ता किरदारों पर से परदा हटा और जब बारी शबाना आजमी की आई तो फिर तो माहौल बदलना ही थी। इवेंट में मीडिया के साथ सवाल जवाब के समय शबाना आज़मी ये कहा कि इस सीरीज की पूरी कास्टिंग घर का मामला था। शिबानी अख्तर ने क्रिएट किया ये प्रोजेक्ट और मुझे हुक्म दिया, एक्टिंग करने के लिए। बहू को कैसे मना कर सकती थी और बेटा तो प्रोड्यूसर ही है। साथ ही उन्होंने एक कन्फेशन ये भी किया की जब इस सीरीज की कास्टिंग चल रही थी तो वह नहीं चाहती थीं कि अभिनेत्री ज्योतिका को इसमें कास्ट किया जाए। इवेंट के दौरान ही शबाना आजमी ने इसके लिए ज्योतिका से माफी भी मांगी और कहा कि अच्छा हुआ शिबानी ने उनकी नहीं सुनी और दोनों ने साथ काम किया। सीरीज के निर्देशक हितेश भाटिया ने इस मौके पर बताया कि शुरू में तो वह काफी परेशान थे लेकिन जब सारे लोग साथ आ गए तो उनकी घबराहट भरोसे में बदल गई। ज्योतिका के मुताबिक उन्हें ये प्रोजेक्ट इसलिए काफी पसंद आया क्योंकि इसमें महिलाओं की अहम भूमिका है। वह कहती हैं, फ्इस सीरीज में सिर्फ किरदार ही नहीं, बल्कि पूरी टीम में भी महिलाओं की बहुत भागीदारी रही। हमारे क्रू में लगभग 60-70न्न महिलाएं थीं, जो हर विभाग में शानदार काम कर रही थीं। यह देखकर बहुत गर्व महसूस हुआ। अभिनेता आदर्श रावल के साथ फिल्म ‘बमफाड़’ से हिंदी सिनेमा में अपना करियर शुरू करने वाली साउथ सिनेमा की अभिनेत्री शालिनी पांडे ने भी ज्योतिका की बात का समर्थन किया और कहा कि यह शो महिलाओं के दम पर आगे बढ़ा है। उन्होंने उलाहना दिया कि शानदार अभिनेता गजराज राव के साथ उनका एक भी सीन नहीं है। वहीं, गजराज राव ने कहा, आमतौर पर मैं सिर्फ अपने डायलॉग्स याद करता हूँ, लेकिन इस बार सबसे ज्यादा मेहनत फार्मास्युटिकल्स के नाम याद करने में करनी पड़ी। और, अब तो मुझे इतने नाम याद हो गए हैं कि मेडिकल इंडस्ट्री में भी एंट्री ले सकता हूं! नेटफ्लिक्स की नई सीरीज ‘डब्बा कार्टेल’ 28 फरवरी को रिलीज होगी।

सनम तेरी कसम की री-रिलीज की सफलता पर भावुक हुए हर्षवर्धन राणे

हर्षवर्धन राणे अपनी रोमांटिक ड्रामा फिल्म सनम तेरी कसम की सफलता का जश्न मना रहे हैं। यह फिल्म सभी रिकॉर्ड तोड़ रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। आज भी अभिनेता ने एक इमोशनल नोट शेयर किया और सभी प्रशंसकों को उनके प्यार के लिए धन्यवाद दिया। अभिनेता ने पोस्टर साझा कर लिखा- एक प्रेम कहानी जो लंबे समय तक नहीं चलनी थी। हर्षवर्धन ने आगे लिखा- फिर भी हम यहां हैं, 10 दिन बाद, अभी भी हर पल ऐसा महसूस कर रहे हैं जैसे यह पहली बार हो। अभिनेता ने आगे लिखा- किसी ऐसे व्यक्ति को टैग करें जो इसे दोबारा देखने की योजना बना रहा है। सनम तेरी कसम अब तब बॉक्स ऑफिस पर 36.01 करोड़ रुपये की कमाई की।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट संपादक ओमवीर आर्य द्वारा वत्स ऑफसेट, पता- मुद्दा हाउस, सी-ब्लॉक, बारात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जिला गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673